अधिकतम ▲ 37 डिग्री से.
डिग्री से. 27 ▼ न्यूनतम
सूर्योदय 5.19
सूर्यास्त 7.29
सोना 24 कैरेट: 1,46,010.00
चांदी (प्रति किलो) : 2,50,000
सैंसेक्स : 76,865.86
अमेरिका : 94.35
कैनेडियन : 66.73
आस्ट्रेलिया : 66.21

दैनिक
अर्थ प्रकाश
खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल एवं उत्तर प्रदेश से प्रकाशित: उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भी प्रसारित

वर्ष 01 | सोलन, शनिवार, 20 जून, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष: षष्ठी, विक्रमी संवत-2083 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक : 65 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ: 8

न्यूज ब्रीफ

भारत ने जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान, ओआईसी की टिप्पणियों को किया खारिज

जिनेवा, 19 जून। भारत ने पाकिस्तान के बेबुनियाद और गलत इरादे वाले आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। इसके साथ ही, इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की तरफ से भारत के केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को लेकर किए गए जिक्र को भी खारिज कर दिया। भारत ने दोहराया कि यह इलाका देश का एक अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद के 62वें सत्र में भारत के स्थानीय मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने कहा, भारत को लेकर पाकिस्तान और ओआईसी द्वारा की गई टिप्पणियों के जवाब में भारत अपना उत्तर देने के लिए बाध्य है। हम पाकिस्तान के लगाए बेबुनियाद और गलत इरादे वाले आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम ओआईसी की तरफ से जम्मू और कश्मीर को लेकर की गई टिप्पणी को भी पूरी तरह से खारिज करते हैं।

राममंदिर चढ़ावा विवाद पर योगी बोले, एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करेगी

अयोध्या, 19 जून। राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी निष्पक्ष तरीके से काम कर रही है और फ़दूध का दूध, पानी का पानीफ़ करके रहेगी। उन्होंने सभी पक्षों से जांच पूरी होने तक बयानबाजी से बचने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी के पास कोई दस्तावेजी साक्ष्य है तो उसे एसआईटी को सौंपना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी दोषी होगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा, लेकिन जांच प्रभावित करने वाली अनर्गल टिप्पणियों से बचना जरूरी है। अयोध्या दौरे पर 245 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रामभक्तों ने प्रभु राम के मंदिर के लिए 500 वर्षों तक मर्यादा और धैर्य के साथ संघर्ष किया है। उन्होंने कहा, 15 दिन और इंतजार कर लीजिए, चिंता करने की जरूरत नहीं है। जांच एजेंसी अपना काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला।

सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सकों को दिया जाएगा नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस : मुख्यमंत्री सुक्खू

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सकों को नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री गत सांय स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है और स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले सा? तीन वर्षों में स्वास्थ्य अवसंरचना और सेवाओं को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं।

सुक्खू ने कहा कि स्वास्थ्य सुधारों को लेकर सरकार ने चिकित्सकों के साथ विस्तृत चर्चा की है। आने वाले महीनों में वह स्वयं विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का दौरा करेंगे और चिकित्सकों से संवाद कर स्वास्थ्य क्षेत्र के सुदृ?ीकरण और आधुनिकीकरण की रूपरेखा तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों को पर्याप्त स्टाफ और अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध करवाकर उन्हें एम्स, नई दिल्ली के स्तर का बनाया जा रहा है। राज्य सरकार आधुनिक चिकित्सा मशीनरी और उपकरणों की खरीद पर लगभग 3,000 करो? रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में मेडिकल कॉलेज नहीं हैं, वहां के क्षेत्रीय और जोनल अस्पतालों की सुविधाओं को भी उन्नत किया जा रहा है ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और तकनीशियनों की कमी को दूर करने के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि सरकार के प्रयासों से पहली बार प्रदेश में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू की गई है। पहले इस तरह की उन्नत चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने के लिए लोगों को हिमाचल प्रदेश से बाहर जाना प?ता था और काफी खर्च वहन करना प?ता था।

श्री सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का वर्गीकरण जनसंख्या के आधार पर किया जाए ताकि वास्तविक आवश्यकता के अनुसार स्टाफ और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। इससे लोगों को उनके घरों के निकट ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में चल रही विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं की स्थिति की भी समीक्षा की।

बैठक में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, महाधिवक्ता अनूप रतन, विशेष सचिव डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा, जितेंद्र सांजटा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध निदेशक प्रदीप ठाकुर, हिमाचल प्रदेश मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक दिव्यांशु सिंगल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नीट-2026 अभ्यर्थियों को एचआरटीसी प्रदान करेगी नि:शुल्क बस यात्रा सुविधा

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के एक प्रवक्ता ने बताया कि 21 जून, 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-2026) में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने तथा इसके उपरांत अपने घर लौटने के लिए एचआरटीसी की साधारण बसों में नि:शुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की जाएगी।

प्रवक्ता ने कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अभ्यर्थी अपने 'नीट-2026 प्रवेश पत्र' को पहचान पत्र, निवास स्थान तथा परीक्षा केंद्र के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत कर इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि यह सुविधा अभ्यर्थी के निवास स्थान से परीक्षा केंद्र तक 'एक बार आने तथा एक बार वापस लौटने' की यात्रा के लिए उपलब्ध होगी। यह रियायत '20 जून से 22 जून, 2026 (दोनों दिन)' तक मान्य रहेगी। प्रवक्ता ने बताया कि नि:शुल्क यात्रा सुविधा केवल एचआरटीसी की 'साधारण बसों' में ही उपलब्ध होगी। सुविधा के दुरुपयोग को रोकने के लिए बस परिचालकों को रियायत के अंतर्गत की गई यात्राओं का आवश्यक विवरण अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र पर अंकित करने के निर्देश दिए गए है।

उन्होंने कहा कि एचआरटीसी के सभी इकाई अधिकारियों को इन आदेशों का क?ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा रियायत का लाभ उठाने वाले विद्यार्थियों का समुचित रिकॉर्ड बनाए रखने के निर्देश जारी किए गए हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि इस पहल का उददेश्य नीट अभ्यर्थियों को राहत प्रदान करना तथा परीक्षा के लिए उनकी यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाना है।

किन्नौर में लैंडस्लाइड, मजदूरों ने भागकर बचाई जान

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

किन्नौर। हिमाचल प्रदेश के ट्राइबल जिला किन्नौर में आज सुबह भारी लैंडस्लाइड हो गया। किन्नौर के पोवारी स्थित शोंगटोंग पावर प्रोजेक्ट की बैराज साइट पर भारी भूस्खलन के बाद यहां काम कर रहे मजदूरों ने भागकर जान बचाई। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लैंडस्लाइड का डरावना वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पहाड़ी से बड़ी मात्रा में मलबा गिरता और कई पेड़ टूटकर नीचे आते दिखाई दे रहे हैं। देखते ही देखते पूरे क्षेत्र में धूल का गुबार फैल गया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार, शोंगटोंग पावर प्रोजेक्ट की बैराज साइट पर निर्माण कार्य चल रहा था। शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे अचानक पहाड़ी दरक गई और भारी मलबा नीचे आ गिरा। भूस्खलन की चपेट में निर्माणाधीन बैराज को भी नुकसान पहुंचा है।

दुनिया भारत को उम्मीद और उत्साह की नजरों से देख रही है, बढ़ रहा वैश्विक निवेश व सहयोग : पीएम मोदी

माईगव इंडिया का लेख किया शेयर, बेहतर दुनिया के निर्माण में भारत का खास योगदान

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 19 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज दुनिया भारत को उम्मीद और उत्साह के साथ देख रही है। उन्होंने कहा कि देश के प्रति बढ़ता वैश्विक भरोसा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते सहयोग और निवेश के रूप में साफ दिखाई दे रहा है।

माईगव इंडिया के एक लेख को शेयर करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक बेहतर दुनिया के निर्माण में योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और साथ ही वैश्विक मंच पर लगातार अपनी मजबूत स्थिति भी बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भारत हमेशा बेहतर ग्रह और बेहतर भविष्य के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तैयार रहता है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत के प्रति दुनिया का बढ़ता विश्वास देश के 140 करोड़ नागरिकों के प्रयासों और आकांक्षाओं का परिणाम है।

उन्होंने कहा, भारत बेहतर दुनिया के निर्माण में जो भी संभव होगा, उसे करने के लिए हमेशा तैयार है। साथ ही भारत के 140 करोड़ लोगों की बदौलत दुनिया भारत को उम्मीद और उत्साह के साथ देख रही है। यही कारण है कि दुनिया भारत के साथ जुड़ रही है और भारत में निवेश कर रही है।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी माईगव इंडिया की उस पोस्ट को साझा करते समय आई, जिसमें पिछले 12 वर्षों में वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया गया था।

माईगव इंडिया ने अपनी पोस्ट में कहा कि वर्ष 2014 के बाद से दुनिया के साथ भारत का जुड़ाव एक नए और प्रभावशाली दौर में प्रवेश कर चुका है। अब भारत वैश्विक मुद्दों पर चर्चा को दिशा देने, रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं में अधिक प्रभावी योगदान देने की भूमिका निभा रहा है।

इंडियाज ग्लोबल मोमेंटम ए शिफ्ट द वर्ल्ड कांट इग्नोर शीर्षक वाली पोस्ट में कहा गया कि भारत का बदलाव वैश्विक मंचों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जो विश्व मामलों में उसकी बढ़ती भूमिका और प्रभाव को दर्शाता है।

पोस्ट में कहा गया, 2014 के बाद से दुनिया के साथ भारत का जुड़ाव अधिक प्रभावशाली हुआ है। देश अब वैश्विक चर्चाओं को दिशा देने, साझेदारियों को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं में अधिक दृश्यता, विश्वसनीयता और भरोसे के साथ योगदान देने की भूमिका निभा रहा है।

प्रधानमंत्री का आज ओडिशा दौरा 47,600 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून 2026 को ओडिशा का दौरा करेंगे। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी इस दौरे में प्रधानमंत्री के साथ रहेंगी। इस खास मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शिरकत करके पूरे कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी। इस दौरान प्रधानमंत्री कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। दोपहर करीब 1 बजे, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मयूरभंज जिले के रायरांगपुर में ओडिशा सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। विकास धारा, ओडिशा सारा विषय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। प्रधानमंत्री इस अवसर पर सभा को संबोधित भी करेंगे।

शिमला में झमाझम बारिश, सड़कें जलमग्न, सिरमौर में भारी ओलावृष्टि

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

शिमला। राजधानी शिमला में शाम पांच बजे के बाद से भारी बारिश हुई। इससे शहर की स?कें पानी से जलमग्न हो गई। सिरमौर जिला के हरिपुरधार क्षेत्र में आज भारी ओलावृष्टि हुई। इससे किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है।

इस बीच मौसम विभाग ने ताजा बुलेटिन जारी कर मंडी, कुल्लू, सिरमौर और शिमला जिला में तेज बारिश के साथ आंधी व तूफान का ऑरेंज अलर्ट जारी किया। इन जिलों में रात 9 बजे तक लोकल और टूरिस्टों को सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा करने वालों को भूस्खलन, तेज हवाओं और अचानक मौसम बदलाव को देखते हुए सावधानी बरतने को कहा गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटे के दौरान वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर पूरे प्रदेश में नजर आएगा। इसे देखते हुए किन्नौर और लाहौल स्पीति को छो?कर अन्य सभी जिलों में बारिश, आंधी व तूफान का यलो अलर्ट दिया गया है।

इस दौरान किन्नौर और लाहौल स्पीति की अधिक ऊंची चोटियों पर हल्का हिमपात भी देखने को मिल सकता है। 22 जून तक राज्य के अधिकांश भागों में बारिश का पूर्वानुमान है। 23 जून से वेस्टर्न डिस्टरबेंस थोड़ा कमजोर पड़ेगा। 24 को अधिकांश भागों में मौसम साफ रहने के आसार है।

आईपीओ | **रिलायंस के बोर्ड ने दी मंजूरी, सेबी के पास दस्तावेज जमा**

जियो का आईपीओ जल्द आएगा, 27 करोड़ शेयर जारी होंगे

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 19 जून। जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड ने जियो के आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) को मंजूरी दे दी है और डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दिन के अंत में जमा किया जाएगा। यह जानकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी की ओर से शुक्रवार को दी गई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि प्रस्तावित आईपीओ में 10 रुपए की फेस वैल्यू वाले 27 करोड़ शेयरों का फ्रैश इश्यू शामिल होगा। इश्यू की अंतिम कीमत सेबी के इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (आईसीडीआर) रेगुलेशंस, 2018 के तहत बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया से तय की जाएगी। आईपीओ का ऐलान करते हुए अंबानी ने कहा कि यह मेरे लिए, पूरी रिलयांस परिवार और हमारे लाखों शेयरधारकों के लिए भावुक पल है।

उन्होंने कहा कि रिलायंस और उसके शेयरहोल्डर्स के बीच का रिश्ता ÷गर्व, भरोसे, सम्मान और साथ मिलकर आगे बढ़ने पर आधारित एक गहरा और पवित्र रिश्ता÷ है, यह एक ऐसा कमिटमेंट है जो धीरूभाई अंबानी के लिए बहुत निजी था और मेरे लिए भी उतना ही पवित्र है।

आकाश, ईशा और अनंत संभाल रहे आईपीओ प्रोसेस

आकाश, ईशा और अनंत जियो के आईपीओ प्रोसेस को संभाल रहे हैं और भविष्य में वैल्यू बनाने के मौकों के मामले में अगली पीढ़ी का नेतृत्व करेंगे। अंबानी के मुताबिक, जियो की प्रस्तावित लिस्टिंग दुनिया को दिखाएगी कि भारत ग्लोबल स्तर, ग्लोबल क्षमता और ग्लोबल वैल्यू वाली टेक्नोलॉजी कंपनियां बना सकता है। मैं आपको और सभी संभावित नए निवेशकों को भरोसा दिलाता हूं कि जियो का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। उन्होंने जियो को इस साल वैल्यू बनाने की दिशा में सबसे अहम पड़ाव बताया जा रहा है, जो रिलायंस के शेयरहोल्डर्स के लिए बड़ी वैल्यू बनाएगा और दूसरों को निवेश का आकर्षक मौका देगा। जियो प्लेटफॉर्म्स के पास रिलायंस जियो इंफ्रोकॉम का मालिकाना हक है। ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक देश में जियो के 52.69 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं। भारत के वायर्ड और वायरलेस इंटरनेट मार्केट के करीब 50 प्रतिशत हिस्से पर अकेले जियो का कब्जा है। भारतीय बाजार में करीब 35 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारती एयरटेल दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है। एयरटेल 120 अरब डॉलर से ज्यादा के मार्केट कैप के साथ देश की तीसरी मूल्यवान कंपनी है। बाजार में यह 42 गुना से ज्यादा के प्राइस-टू-अर्निंग रेशियो पर ट्रेड कर रही है, जिससे जियो की वैल्यूएशन का अंदाजा लगाने में मदद मिलेगी।

दिव्यांगजनों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार, 31 तक आवेदन

ऊना, 19 जून (रोहित शर्मा)। दिव्यांगजनों के अधिकारों, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, पुनर्वास और सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं के लिए केंद्र सरकार ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन एवं नामांकन आमंत्रित किए हैं। पात्र उम्मीदवार और संस्थाएं 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जिला कल्याण अधिकारी आवास पंडित ने बताया कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) द्वारा दिए जाने वाले ये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी कार्य करने वाले व्यक्तियों, नियोक्ताओं, नवाचारकर्ताओं, संस्थाओं एवं संगठनों को प्रदान किए जाते हैं।

उन्होंने बताया कि इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति, संस्थाएं और संगठन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल www.awards.gov.in पर केवल ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में शोध करने का किया आह्वान, कहा-

प्रदेश सरकार विश्वविद्यालय को प्रतिवर्ष 150 करोड़ की सहायता कर रही प्रदान

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू), शिमला में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए।

उन्होंने 10.09 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मल्टी फैकल्टी भवन का उद्घाटन किया। इस भवन में तीन शैक्षणिक मंजिलें, कंप्यूटर-कम-सीबीटी लैब तथा पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित सीबीटी लैब का भी उद्घाटन किया। यह सुविधा शिक्षण क्षमता बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री ने 8.25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नए अकादमिक ब्लॉक का शिलान्यास भी किया। यह पांच मंजिला भवन होगा, जिसमें पार्किंग, नई कक्षाएं और बढ़ती छात्र संख्या के अनुरूप अतिरिक्त शैक्षणिक स्थान उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय को सशक्त बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है तथा इसके विकास के लिए प्रतिवर्ष 150 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि इन पहलों से विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे, डिजिटल बदलाव और शैक्षणिक उत्कृष्टता को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं और विगत वर्षों में यहां काफी सकारात्मक बदलाव आए है। उन्होंने छात्रों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान की आवश्यकता पर बल दिया। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इसी दिशा में सोलन जिले के नालागढ़ में हिमाचल प्रदेश की पहली ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना स्थापित की जा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय से ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में शोध करने का आग्रह करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में राज्य के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, देश को लगभग 90,000 करोड़ रुपये मूल्य की पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करता है। लेकिन 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद किए जाने से राज्य को प्रतिवर्ष लगभग 8,000 से 10,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से हिमाचल इस चुनौती का दृढ़ता से सामना करेगा और अग्रणी राज्य बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश के अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्यहित में उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार, हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कंप्यूटर-कम-सीबीटी लैब के माध्यम से शिमला जिले के युवाओं को विभिन्न परीक्षाओं के कंप्यूटर आधारित टेस्ट हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में ही देने की सुविधा मिलेगी। इससे पहले उन्हें ऐसी परीक्षाओं के लिए अन्य जिलों में जाना पड़ता था। विधायक हरिश जनारथा, सुरेश कुमार, संजय अवस्थी, विवेक शर्मा, महापौर नगर निगम शिमला सुरेंद्र चौहान, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति महावीर सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शीतला माता मंदिर के ध्वस्तीकरण पर उठे सवाल, जिलाधीश से जांच की मांग

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। शहर के दक्को रोड स्थित श्री शीतला माता मंदिर में चल रहे ध्वस्तीकरण एवं पुनर्निर्माण कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सनातन धर्म सभा ऊना के प्रधान प्रिंस राजपूत ने उपायुक्त ऊना को ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि श्री शीतला माता मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है तथा इसका धार्मिक और सामाजिक महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभा का आरोप है कि मंदिर की पुरानी संरचना को ध्वस्त कर पुनर्निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जबकि इस संबंध में स्थानीय श्रद्धालुओं, क्षेत्रवासियों एवं अन्य संबंधित पक्षों को विश्वास में नहीं लिया गया।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि क्या मंदिर से संबंधित कार्यों के लिए संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमतियां एवं स्वीकृतियां प्राप्त की गई हैं या नहीं। इसको लेकर क्षेत्र के लोगों में चिंता और असंतोष का माहौल बताया गया है।

सनातन धर्म सभा ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि मंदिर से जुड़े सभी कार्य विधिसम्मत प्रक्रिया और आवश्यक अनुमतियों के अनुरूप ही किए जा रहे हों। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो जांच पूरी होने तक संबंधित कार्य पर रोक लगाकर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

हिमाचल के सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति फिर अटकी, 6084 चयनित अभ्यर्थियों का इंतजार बढ़ा

अर्थ प्रकाश/ संवाददाता

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सीबीएसई से संबद्ध सरकारी स्कूलों में नियुक्ति का इंतजार कर रहे हजारों शिक्षकों को फिलहाल राहत नहीं मिली है। शिक्षकों की तैनाती और स्कूल आवंटन को लेकर आज यानी 19 जून को प्रस्तावित कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक टल गई है। अब इस बैठक की नई तारीख बाद में तय की जाएगी, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया में एक बार फिर देरी हो गई है।

शिक्षा सचिव राकेश कंवर इन दिनों हिमाचल प्रदेश से बाहर हैं और 22 जून को शिमला लौटेंगे। उनके लौटने के बाद ही उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक आयोजित होने की संभावना है। इस बैठक में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी भी शामिल होंगे। प्रदेश में सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए सरकार ने 158 सरकारी स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध किया था। इनमें से 147 स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया था। इस परीक्षा में प्रदेशभर से 9,821 शिक्षकों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 6,084 शिक्षक मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफल रहे।

शिक्षा विभाग ने मेरिट और शिक्षकों द्वारा दिए गए विकल्पों के आधार पर स्कूल आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। काउंसलिंग की तैयारी भी की गई थी, लेकिन बाद में इस प्रक्रिया को रोक दिया गया। इसके बाद से चयनित शिक्षक अंतिम निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। मेरिट सूची में शामिल कई शिक्षक अपने पसंदीदा स्कूलों में नियुक्ति मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती नए सीबीएसई स्कूलों में चयनित शिक्षकों की तैनाती और वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों के संभावित तबादलों के बीच संतुलन बनाने की बताई जा रही है। इसी कारण नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप देने से पहले विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक में यह तय किया जा सकता है कि शिक्षकों की तैनाती केवल मेरिट के आधार पर होगी, विकल्पों को प्राथमिकता दी जाएगी, वरिष्ठता को महत्व मिलेगा या फिर इन सभी पहलुओं को मिलाकर कोई मिश्रित व्यवस्था अपनाई जाएगी। इस संबंध में अंतिम फैसला बैठक में ही लिया जाना है।

बता दें कि प्रदेश के 147 सीबीएसई स्कूलों में कुल 5,623 शिक्षकों की आवश्यकता को देखते हुए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला के माध्यम से स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया था।

आंगनवाड़ी केंद्र रामपुर में लगा समर रेडीनेस मेला

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। बाल विकास परियोजना ऊना के पर्यवेक्षक वृत्त झलेड़ा के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र रामपुर बाहती ब्राह्मण मोहल्ला में शुक्रवार को समर कैम्प रेडीनेस मेला-1 का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यवेक्षक कुलवीर कौर ने की। मेले का उद्देश्य छोटे बच्चों को खेल-खेल में विद्यालयी शिक्षा के लिए तैयार करना और अभिभावकों को बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा से जोड़ना रहा। मेले में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों, उनके माता-पिता, दादा-दादी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से उन्हें सीखने, समझने और अपनी रचनात्मक क्षमता को विकसित करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में अभिभावकों को बच्चों के प्रारंभिक विकास, स्कूल रेडीनेस, भाषा कौशल, सामाजिक व्यवहार और घर पर सीखने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों के बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कैंसर अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री का निरीक्षण मरीजों से संवाद कर परखी स्वास्थ्य सुविधाएं

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। स्वास्थ्य मंत्री धनी राम शांडिल ने शुक्रवार को शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) के कैंसर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैंसर वार्ड का दौरा कर वहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से सीधे बातचीत की तथा अस्पताल में उपलब्ध उपचार और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से इलाज, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाओं और अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में भर्ती कई मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैंसर रोगियों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी जरूरतों का विशेष ध्यान रखा जाए।

निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य मंत्री धनी राम शांडिल ने कहा कि आईजीएमसी में कैंसर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में अब ऐसी कई सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनकी तुलना देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शुमार पीजीआई से की जा सकती है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन द्वारा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं पर संतोष भी व्यक्त किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी चिंता का विषय है। ऐसे में सरकार का प्रयास है कि राज्य के लोगों को उपचार के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े और उन्हें अपने ही राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि कैंसर उपचार से जुड़ी व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार गंभीरता से काम कर रही है। कैंसर वार्ड की क्षमता बढ़ाने, आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने और विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने जैसे विषयों पर भी विचार किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

लाहौल-स्पीति में नशा मुक्त सप्ताह का शुभारंभ

केलांग (कुल्लू),19 जून (अशेष शर्मा)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार लाहौल मंडल में नशा मुक्त सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अभियान की शुरुआत विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को नशामुक्ति एवं एंटी-चिट्टा शपथ दिलाकर तथा नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक कर की गई। यह विशेष अभियान 17 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष अभियान की थीम नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान रखी गई है, जबकि संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत आज पुलिस विभाग द्वारा पुलिस ग्राउंड केलांग में साइकिल रेस एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं को उप पुलिस अधीक्षक (ष्ठस्क्क) रश्मि शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को नशा विरोधी एवं एंटी-चिट्टा शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों एवं युवाओं ने चिट्टा सहित सभी प्रकार के नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर युवाओं को खेलों और सकारात्मक गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न विद्यालयों में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति, चिट्टा विरोधी अभियान तथा स्वस्थ समाज के निर्माण से जुड़े विषयों पर आकर्षक और संदेशपरक पोस्टर बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों में नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, युवाओं की भूमिका तथा नशामुक्त समाज के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

जालोड़ी जोत में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने पर मंथन

कुल्लू, 19 जून (अशेष शर्मा)। जालोड़ी जोत में इको-टूरिज्म गतिविधियों को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा के लिए हिमाचल प्रदेश वन विभाग के तत्वावधान में अधिकारियों और हितधारकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अरण्यपाल रामपुर मंडल सी.वी. तासीलदार, एसडीएम बंजार पंकज शर्मा, तहसीलदार आनी, जल शक्ति विभाग, वन विभाग, राष्ट्रीय उच्च मार्ग के अधिकारी, इको-टूरिज्म सोसाइटी के प्रतिनिधि तथा स्थानीय हितधारकों ने भाग लिया। बैठक का संचालन डीएफओ आनी डॉ. चमन लाल राव ने किया। बैठक में जलापूर्ति योजना, पार्किंग व्यवस्था, पर्यटक सूचना केंद्र की स्थापना, प्लास्टिक एवं अन्य कचरे के प्रबंधन तथा इको-टूरिज्म गतिविधियों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही जालोड़ी जोत में अवैध रूप से लगाए गए फूड वैन और रेहड़ी-फड़ी हटाने तथा सड़क किनारे घोषित नो-पार्किंग क्षेत्र को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी चर्चा हुई। रघुपुर किले के विकास से जुड़े प्रस्तावों पर विचार करते हुए बेस कैंप में फूड पॉइंट, पर्यटक सूचना केंद्र और ई-टॉयलेट जैसी सुविधाएं विकसित करने तथा अवैध शेड हटाने की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा पार्किंग, रेन शेल्टर, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की डेमोंस्ट्रेटिव नर्सरी विकसित करने और पर्यटन गतिविधियों को व्यवस्थित करने पर भी मंथन हुआ। जल शक्ति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अगले 10 दिनों के भीतर जालोड़ी जोत में पेयजल सुविधा उपलब्ध करा दी जाएगी। वहीं एसडीएम बंजार पंकज शर्मा ने आश्वासन दिया कि पर्यटकों और स्थानीय हितधारकों की सुविधा के लिए क्षेत्र में शीघ्र ही मोबाइल नेटवर्क सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

वैज्ञानिक तुड़ाई, ग्रेडिंग, पैकिंग, भंडारण और मूल्य संवर्धन की दी जानकारी

एचपी शिवा परियोजना से बढ़ेगी बागवानों की आय, बौल क्लस्टर में फल प्रसंस्करण एवं कटाई उपरांत प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। एचपी शिवा परियोजना के अंतर्गत जिला ऊना के बौल क्लस्टर में फल फसलों के कटाई उपरांत प्रबंधन एवं प्रसंस्करण विषय पर एक दिवसीय किसान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उपनिदेशक उद्यान, जिला ऊना डॉ. के. के. भारद्वाज ने की।

कार्यशाला में बौल एवं बौल-2 क्लस्टर से जुड़े करीब 30 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान किसानों को अमरूद, माल्टा (स्वीट ऑरेंज) और अनार जैसी फल फसलों के बेहतर प्रबंधन, प्रसंस्करण और विपणन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कार्यशाला में ग्रांट थॉर्नटन के विशेषज्ञ श्रावसाहेब बेंद्रे ने किसानों को फल फसलों की वैज्ञानिक तुड़ाई, ग्रेडिंग, पैकिंग, भंडारण तथा आधुनिक विपणन तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से किसान अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

उन्होंने अमरूद से जैम, जेली, नेक्टर, पल्प एवं स्क्वैश, माल्टा से जूस, स्क्वैश, कॉन्सन्ट्रेट एवं मुरब्बा तथा अनार से जूस, सिरप, अनारदाना सहित अन्य मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता बनाए रखते हुए प्रसंस्करण को अपनाना किसानों की आर्थिक मजबूती की दिशा में एक प्रभावी कदम है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत बौल की प्रधान रेखा चौहान ने किसानों को एचपी शिवा परियोजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर बागवानी को एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित किया जा सकता है। कार्यक्रम में उद्यान विकास अधिकारी डॉ. वीरेंद्र कुमार, उद्यान प्रसार अधिकारी अनुपम शर्मा एवं वंदना सहित विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूत्रधार कला संगम कुल्लू का 49वां वर्षगांठ उत्सव 21 से 23 जून तक

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू, 19 जून। सूत्रधार कला संगम कुल्लू अपने 49वें स्थापना वर्ष का भव्य आयोजन 21 से 23 जून तक ऐतिहासिक लालचंद प्रार्थी कला केंद्र एवं अटल सदन कुल्लू में करने जा रहा है। संस्था 21 जून 2026 को अपने 49 वर्ष पूर्ण कर स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश करेगी।

इस अवसर पर आयोजित होने वाले 49वें सूत्रधार वर्षगांठ उत्सव का मुख्य विषय ÷नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो रखा गया है।

यह जानकारी प्रेस वार्ता के दौरान सूत्रधार कला संगम के अध्यक्ष दिनेश सेन ने दी। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा वर्ष 2002 से अपने रजत जयंती वर्षगांठ उत्सव के माध्यम से कुल्लू घाटी के युवाओं एवं बाल प्रतिभाओं को कला, संस्कृति और समाज सेवा से जोड़कर रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे और अन्य दुर्व्यसनों से दूर रखते हुए उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना है।

तीन दिवसीय इस सांस्कृतिक महोत्सव में कुल्लू जनपद की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के लगभग 1500 विद्यार्थी 12 विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय मूल्यांकन के लिए हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों से अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त निर्णायकों को आमंत्रित किया गया है। विभिन्न विधाओं के लिए अलग-अलग निर्णायक मंडल गठित किए गए हैं।

शूलिनी विवि में में एकता, करुणा व सामाजिक सद्भाव पर दिया जोर

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। शूलिनी यूनिवर्सिटी के योगानंद सेंटर ऑफ़ स्पिरिचुअल साइंसेज के सहयोग से फैकल्टी ऑफ़ लीगल साइंसेज ने शुक्रवार को इंटरफेथ हार्मनी सिम्पोजियम का आयोजन किया। इसमें जाने-माने कानून विशेषज्ञ, राजनयिक, पूर्व सैनिक, शिक्षाविद और विचारक शामिल हुए और विभिन्न धर्मों के बीच समझ, सम्मान और सद्भाव के महत्व पर चर्चा की।

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य तेज़ी से विविधतापूर्ण हो रहे समाज में सहानुभूति, करुणा, शांति और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के विषय की शुरुआत करते हुए, पूर्व द्भस् अधिकारी विवेक अत्रे ने हमारे समय के विरोधाभास पर बात की और उन विभाजनों से ऊपर उठने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया जो अक्सर सार्वजनिक चर्चाओं को आकार देते हैं। सोशल मीडिया, पॉडकास्ट और छोटे डिजिटल कंटेंट के बढ़ते प्रभाव का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ध्रुवीकरण से निपटने और लोगों के बीच बेहतर समझ बनाने के लिए आत्म-जागरूकता, आलोचनात्मक सोच और व्यापक दृष्टिकोण विकसित करना ज़रूरी है।

पहली पैनल चर्चा का संचालन लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) के. जे. सिंह (रिटायर्ड) ने किया और इसका विषय था सशस्त्र बलों और नागरिक समाज के बीच अंतर-धार्मिक संवाद।

डॉ. मोहम्मद खालिद ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने हमेशा धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखा है और सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करके उन्हें समाज के लिए एक मिसाल पेश करनी चाहिए।

लेफ्टिनेंट कर्नल रविंदर जीत रंधावा (रिटायर्ड) ने कहा कि देश की सेवा करते समय भारतीय सैनिक धर्म, जाति, नस्ल और पृष्ठभूमि के अंतर से ऊपर उठकर काम करते हैं। चर्चा में एकता, समावेशिता और आपसी सम्मान के उन मूल्यों पर प्रकाश डाला गया जो सशस्त्र बलों की नींव हैं।

युवाओं से विकसित भारत 2047 के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील

अनुराग सिंह ठाकुर ने जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट-नोएडा के 20वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

अर्थ प्रकाश/शिल्पा शर्मा

हमीरपुर। सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शुक्रवार को जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नोएडा के 20वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत भाषण दिया। समारोह का शुभारंभ संस्थान के चेयरमैन शरद जयपुरिया ने किया। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन श्रीवत्स जयपुरिया तथा निदेशक डॉ. प्रभात पंकज सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अनुराग ठाकुर ने शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान की 80 वर्षों की गौरवशाली यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि एएसीएसबी मान्यता प्राप्त करने वाला यह देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल है। उन्होंने इसे भारत का पहला एआई-नेटिव बिजनेस स्कूल बताते हुए कहा कि यहां से निकलने वाली

नई पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से प्रभावित होने के बजाय उसका नेतृत्व करने की क्षमता रखती है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने पिछले 12 वर्षों में भारत के व्यापक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए इसे रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह अप्रैल 2026 में रिकॉर्ड 2.43 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है तथा दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता के माध्यम से 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली संभव हुई है। उन्होंने कहा कि भारत आज फ्रैजाइल फाइव से निकलकर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। देश में प्रतिमाह 1300 करोड़ से अधिक यूपीआई लेनदेन हो रहे हैं और चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत की वैज्ञानिक क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है। उन्होंने नीति आयोग के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2013-14 से 2022-23 के बीच लगभग 24.82 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।

प्रबंधन के स्नातकों को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने संस्थान की स्टूडेंट फर्स्ट सोच को नेशन फर्स्ट दृष्टिकोण से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से भारत को प्राथमिकता देने तथा नौकरी तलाशने वालों के बजाय रोजगार सृजित करने वाले बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया और पीएलआई जैसी योजनाएं युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही हैं। उन्होंने कॉरपोरेट जगत में नैतिक नेतृत्व की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्ष 2026 के भारत में विश्वास और चरित्र सबसे महत्वपूर्ण गुण हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी तकनीकी और एआई आधारित शिक्षा का उपयोग गांवों और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए करने का आग्रह किया, ताकि वे केवल सफल व्यवसाय ही नहीं बल्कि एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में भी योगदान दे सकें।

समापन में अनुराग ठाकुर ने कहा कि तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों में निरंतर सीखने की भावना और विनम्रता ही दीर्घकालिक सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि जयपुरिया संस्थान के लगभग 50 प्रतिशत पूर्व छात्र दस वर्षों के भीतर जनरल मैनेजर या समकक्ष नेतृत्व पदों तक पहुंचते हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि करियर निरंतर विकास की यात्रा है।

जेनरेटिव एआई से रियल एस्टेट में उछाल, 17 अरब डॉलर तक की अतिरिक्त वैल्यू

बिक्री में 50 फीसदी सुधार, अगले 7 साल में बढ़ेगा 14-17 अरब डॉलर का जीवीए

नई दिल्ली ।

जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेनएआई) अगले सात साल में रियल एस्टेट क्षेत्र में 14 से 17 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) कर सकता है। इससे रियल एस्टेट के कुल मूल्य में 3 से 4 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। ईवाई-पार्थेनॉन और क्रेडाई की संयुक्त रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार जेनएआई की मदद से डेवलपरों को बिक्री की रफ्तार में 30 से 50 प्रतिशत तक का सुधार देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही परियोजनाओं को लॉन्च करने में भी लगभग 30 प्रतिशत की तेजी आएगी। जेनएआई सौदों के मूल्यांकन में लगने वाले समय को लगभग 50 प्रतिशत तक घटा सकता है, जबकि भूमि अधिग्रहण का समय 30 से 35 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यह स्वचालित व्यावहारिक मॉडलिंग और विक्रेता मूल्यांकन के जरिए 2.5 गुना अधिक सौदों के मूल्यांकन को सक्षम करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेनएआई को जल्दी अपनाने वाले व्यवसायों को जबरदस्त परिचालन लाभ मिल सकता है, जिसमें कार्यबल उत्पादकता में 20-50 फीसदी सुधार और ग्राहक अधिग्रहण लागत में उतनी ही कमी होगी। इससे निर्णय लेने की अवधि भी महीनों से हफ्तों या दिनों में सिमट जाएगी, जिससे डेवलपरों को व्यावहारिकता का आकलन करने और परियोजनाओं की योजना बनाने के तरीकों को नया आकार देने में मदद मिलेगी।

एक्सेंचर का राजस्व बढ़ा पर निवेशकों को नहीं भाया, शेयर गिरे

- तिमाही में कंसल्टिंग कारोबार की धीमी वृद्धि और आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में गिरावट चिंता का विषय बनी

नई दिल्ली ।

ग्लोबल आईटी कंसल्टिंग और आउटसोर्सिंग दिग्गज एक्सेंचर ने हाल ही में अपने तिमाही नतीजे जारी किए हैं, जिसमें राजस्व में 5.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.7 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इन आंकड़ों के बावजूद निवेशकों में खास उत्साह नहीं दिखा और कंपनी के शेयर में जोरदार गिरावट देखने को मिली। नए ऑर्डर मिलने की धीमी रफ्तार और पूरे साल के लिए ग्रोथ अनुमान में कटौती ने बाजार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक्सेंचर के नतीजों से भले ही कंपनी का राजस्व 5.6 फीसदी बढ़कर 18.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो बाजार के अनुमानों के करीब था, फिर भी निवेशकों ने इसे सकारात्मक रूप से नहीं लिया। तिमाही के दौरान, कंपनी के कंसल्टिंग कारोबार की वृद्धि सिर्फ 1 फीसदी रही, जबकि आउटसोर्सिंग या मैनेज्ड सर्विसेज कारोबार में 5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। यह दर्शाता है कि कंपनी का मौजूदा बड़ा कारोबार तो चल रहा है, लेकिन नए प्रोजेक्ट हासिल करने की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं है। निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता नए ऑर्डर यानी बुकिंग्स को लेकर थी। इस तिमाही में एक्सेंचर को 19.3 अरब डॉलर के नए ऑर्डर मिले, जो पिछले साल के मुकाबले 2 फीसदी कम हैं।

खास बात यह रही कि जहां कंसल्टिंग बुकिंग्स में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, वहीं आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में करीब 15 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने इसकी वजह पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और कुछ बड़े आउटसोर्सिंग सौदों का अगले वित्त वर्ष के लिए टल जाना बताया है, जिससे उसे करीब 10 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान हुआ। इन चुनौतियों के चलते, एक्सेंचर ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने ग्रोथ गाइडेंस को भी कम कर दिया है। पहले 3 से 5 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद थी, जिसे अब घटाकर 3 से 4 फीसदी कर दिया गया है। यह संकेत देता है कि कंपनी आने वाले समय में धीमी कारोबार रफ्तार की आशंका कर रही है। हालांकि, कंपनी भविष्य को लेकर आशावादी है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक बड़ा ग्रोथ इंजन मान रही है।

एक्सेंचर का कहना है कि ग्राहक अब एआई के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, कंपनी ने मिड-साइज कंपनियों के लिए एक्सेंचर एज प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है और अधिग्रहण (एक्विजिशन) के लिए अपना बजट 5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 9 अरब डॉलर कर दिया है, जो भविष्य की तैयारी में उसके मजबूत इरादों को दर्शाता है।

वैश्विक चिप उद्योग में 10 लाख पेशेवरों की कमी, भारत के लिए बड़ा अवसर अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग लगभग 10 लाख पेशेवरों की कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है और देश इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाला प्रमुख केंद्र बन सकता है। पटना स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) केंद्र में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान आकार लगभग 800 अरब डॉलर है और अगले एक वर्ष के भीतर इसके 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की संभावना है। अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷वर्ष 2032 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। वहीं उद्योग को करीब 10 लाख कुशल पेशेवरों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है।÷ उन्होंने कहा कि भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए दो प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा - सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेमीकंडक्टर निर्माण। मंत्री के अनुसार, सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भारतीय छात्र दुनिया के सबसे बेहतर प्रशिक्षित पेशेवरों में शामिल हों। उन्होंने कहा, ÷जब छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन कौशल के साथ स्नातक होकर निकलें, तो उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिना जाए और उन्हें तुरंत उद्योग में अवसर मिलें।÷ अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से अब तक लगभग 75 हजार छात्रों को आकर्षक अवसर मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷हमारा लक्ष्य इस संख्या को 75 हजार से बढ़ाकर 5 लाख छात्रों तक पहुंचाना है।÷ मंत्री ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

एशियाई बाजारों में मजबूती के साथ कारोबार

मुंबई ।

एशियाई बाजारों से हालांकि सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक करीब 2.7 प्रतिशत की तेजी के साथ नए उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि जापान का निक्केई 225 भी 0.58 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करता दिखा। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट में निवेशकों का रुख सकारात्मक रहा। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.14 प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 में 1.08 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 1.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का संकेत दिया है। यदि यह लागू होता है, तो तेल परिवहन की लागत में भारी वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिका के साथ तनाव कम होने की उम्मीद के बावजूद यह कदम तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने पुराने दाम ही बरकरार रखे, जिससे आम जनता को फिलहाल महंगाई का नया झटका नहीं लगा। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा 8 फीसदी से अधिक घटा रिपोर्ट

कुल राशि 3.25 अरब स्विस फ्रैंक हुई, स्थानीय शाखाओं के जरिए जमा राशि में आई कमी

नई दिल्ली ।

स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा किया गया धन वर्ष 2025 में 8 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 36,793 करोड़ रुपये) रह गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक, स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, यह कमी मुख्य रूप से स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखे गए धन में गिरावट के कारण दर्ज की गई है। एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद, व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 6,000 करोड़ रुपये) हो गया है। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में था, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले, वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। एनएनबी स्पष्ट करता है कि ये आंकड़े स्विट्जरलैंड में भारतीयों के कथित काले धन की मात्रा को नहीं दर्शाते हैं, न ही इनमें वह धन शामिल है जो तीसरे देशों की

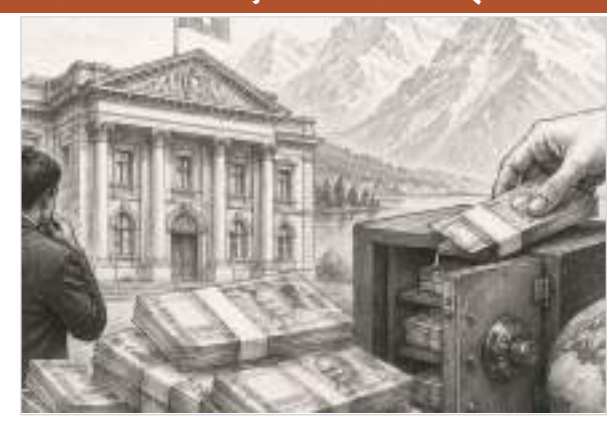

इकाइयों के नाम पर रखा गया हो। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा है, हालांकि कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि भी देखी गई। वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से प्रमुख रूप से ग्राहक जमा, अन्य बैंकों के जरिये रखी गई राशि और बॉन्ड एवं प्रतिभूतियों जैसे वित्तीय साधन शामिल थे।

एनआरआई ग्राहकों को लेकर चिंता में बैंक ग्राहकों को लुभाने की दौड़ तेज

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाने के बाद बैंकों में कड़ी प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। इस बदलाव से कुछ बैंक अपने विदेशी ग्राहकों को खोने की आशंका से चिंतित हैं, क्योंकि अन्य बैंक अधिक आकर्षक रिटर्न दे रहे हैं। आरबीआई के फैसले के बाद कई बैंकों ने (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इससे उन बैंकों की चिंता बढ़ गई है जिनके एनआरआई ग्राहक बेहतर रिटर्न की तलाश में दूसरे बैंकों की ओर रुख कर सकते हैं। कुछ बैंक, जिन्होंने पहले ही नई दरों की घोषणा कर दी थी, अब केंद्रीय बैंक के नए नियमों के मद्देनजर अपनी योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। एक वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की कि वे अपनी घोषित दरों पर फिर से विचार करेंगे। बैंकरों और विश्लेषकों का मानना है कि छोटे बैंक अब दरें आक्रामक रूप से बढ़ा सकते हैं, जबकि बड़े बैंक संभवतः 6 फीसदी के स्तर के आसपास ही बने रहेंगे।

वैश्विक संकेतों से भारतीय आईटी सेक्टर में भूचाल

निफ्टी आईटी 6 फीसदी टूटा, इंफोसिस 8 फीसदी तक लुढ़का

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आईटी सेक्टर पर जोरदार मार पड़ी। अमेरिकी आईटी दिग्गज एक्सेंचर के कमजोर व्यावसायिक संकेतों के बाद निवेशकों में भारतीय आईटी कंपनियों की भविष्य की ग्रोथ को लेकर चिंता बढ़ गई, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स में लगभग 6 फीसदी की तेज गिरावट आई। इस बिकवाली के कारण प्रमुख आईटी शेयरों में भारी नुकसान देखा गया। इंफोसिस, टीसीएस0, टेक महिंद्रा, एमफैसिस और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स जैसे दिग्गज शेयरों में 5 से 8 फीसदी तक की बड़ी गिरावट देखी गई। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1,700 अंक से अधिक गिरकर 26,763 पर बंद हुआ, जिसमें इंफोसिस 8 फीसदी से ज्यादा और अन्य दिग्गज 5-6.5 फीसदी तक लुढ़के। इंडेक्स में शामिल सभी 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए।दरअसल, एक्सेंचर ने पूरे साल के लिए अपने ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है और नए ऑर्डर भी उम्मीद से कमजोर रहे हैं। कंपनी ने मिडिल ईस्ट में तनाव और कुछ बड़े प्रोजेक्ट टलने को इसकी वजह बताया, पर वैश्विक आय पर निर्भर भारतीय आईटी कंपनियों पर असर की आशंका से बाजार में घबराहट फैली। हालांकि नुवामा के विश्लेषकों ने इसे बड़ा संकट नहीं, बल्कि हल्का नकारात्मक संकेत बताया है।

दुबई में पेट्रोल पंप पर भारतीय युवाओं के लिए कितना है वेतन पैकेज

खाड़ी देशों में रोजगार की तलाश में लाखों युवा; जानें योग्यता

नई दिल्ली ।

भारत समेत दक्षिण एशियाई देशों के लाखों युवा हर साल बेहतर रोजगार तलाशने खाड़ी देशों का रुख करते हैं, जिनमें दुबई एक प्रमुख केंद्र है। अक्सर मन में सवाल उठता है कि दुबई के पेट्रोल पंपों पर काम करने वाले प्रवासियों की कमाई कितनी है और वहां काम का माहौल कैसा? आइए जानते हैं इन फ्यूल स्टेशनों पर नौकरी से जुड़ी सभी अहम बातें। दुबई व यूएई में एडीएनओसी, अमीरात और ईपीपीसीओ/ईएनओसी जैसी प्रमुख कंपनियां फ्यूल स्टेशन संचालित करती हैं। यहां पेट्रोल भरने (फ्यूल अटेंडेंट) के अलावा, कैशियर, स्टोर एसोसिएट व कार वॉश अटेंडेंट जैसे कई अन्य पदों पर भी भर्तियां होती हैं। इन नौकरियों के लिए कम से कम 10वीं/12वीं पास, बुनियादी अंग्रेजी की समझ और शारीरिक फिटनेस अनिवार्य है। आमतौर पर 35 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को प्राथमिकता मिलती है। भर्ती सीधे कंपनियों या थर्ड-पार्टी एजेंसियों से होती है। सैलरी दो

मुख्य मॉडलों पर आधारित है। पहले मॉडल में, कंपनी रहने व खाने की सुविधा मुफ्त देती है, जिससे मासिक आय 1,000 से 2,000 एईडी (लगभग 25,000-45,000 रुपए) होती है।

दूसरे मॉडल में, ये खर्च कर्मचारी को खुद उठाने होते हैं, पर सैलरी 2,400 एईडी (लगभग 55,000-60,000 रुपए) तक पहुंच सकती है।

बैंकों को अल्पकालिक धन की सीमित जरूरत, आरबीआई की वीआरआर नीलामी सुस्त

केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ की बोलियां मिलीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक लाख करोड़ रुपए की तीन दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी को बैंकों से बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली। यह बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक धन की सीमित आवश्यकता को दर्शाता है। केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जिन्हें 5.26 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार कर लिया गया। आरबीआई की वीआरआर नीलामी में यह कम भागीदारी दर्शाती है कि अल्पकालिक धन के लिए बैंकों की मांग सीमित रही, भले ही केंद्रीय बैंक ने नकदी समर्थन देने की कोशिश की हो। 18 जून तक उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बैंकिंग प्रणाली में लगभग 19,163.11 करोड़ रुपए का नकदी अधिशेष बना हुआ है। हालांकि, यह स्तर अपेक्षाकृत कम है, जो प्रणाली में थोड़ी तंगी भरी परिस्थितियों का संकेत देता है। आरबीआई अल्पकालिक नकदी प्रबंधन और रातोंरात दरों को नीतिगत दर गलियारे के अनुरूप बनाए रखने के लिए वीआरआर नीलामियां आयोजित करता है। इसके तहत, बैंक अलग-अलग ब्याज दरों पर बोली के जरिए पैसा उधार लेते हैं। नकदी दबाव को कम करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल के दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से लगभग 1.89 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

इसमें 18 जून को 72,300 करोड़, 16 जून को 89,440 करोड़ और 15 जून को 28,220 करोड़ की नकदी शामिल है। बावजूद इसके शुक्रवार की नीलामी में कम भागीदारी बैंकों की सीमित उधारी आवश्यकताओं को उजागर करती है।

पेरिस में बोले पीएम मोदी- पिछले 12 सालों में 140 करोड़ भारतीयों ने बदली देश की तस्वीर

जीडीपी दोगुना, मेट्रो नेटवर्क 4 गुना बढ़ा, 25 करोड़ लोगों को गरीबी की बेड़ियों से मुक्ति दिलाई

फ्रांस ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई अभूतपूर्व प्रगति और वैश्विक पटल पर उसकी बढ़ती साख का गुणगान किया। उन्होंने देश को भविष्य को आकार देने वाला बताते हुए कहा कि भारत अब दुनिया के लिए एक स्थिर और भरोसेमंद भागीदार बन चुका है। पीएम मोदी ने पेरिस को रोशनी और रंगों का शहर बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यहां बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत और लगन से इस शहर को और भी रंगीन बना दिया है। उन्होंने पिछले 12 वर्षों को 140 करोड़ भारतीयों के अद्भुत सामर्थ्य का काल बताया, जिसमें देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। प्रधानमंत्री ने गर्व से कहा कि यह भारत के लोकतंत्र की ही शक्ति है कि एक चाय बेचने वाला आज दुनिया के सामने देश का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की बदलती तस्वीर को आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन 12 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दोगुना हुआ है, एयरपोर्ट्स और विश्वविद्यालयों की संख्या दोगुनी हुई है, जबकि मेट्रो

नेटवर्क में चार गुना वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे बड़ी उपलब्धि का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इन सालों में 25 करोड़ भारतीय गरीबी की बेड़ियों को तोड़कर बाहर आए हैं। उन्होंने फ्रांस के कुल घरों की संख्या से भी अधिक पक्के घर भारत में जरूरतमंदों के लिए बनाए जाने और हर परिवार के पास बैंक अकाउंट होने का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि आज भारत सिर्फ भविष्य की तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि उसे आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि भरोसा जरूरी है और भारत एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के रूप में उभर रहा है। उन्होंने भारत इनोवेट्स और भारत कनेक्ट जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए फ्रांस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया, और उन्हें भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की असली ताकत बताया।

गुवाहाटी में होगी भारत-जापान निवेश शिखर वार्ता 50 जापानी कंपनियां करेंगी फोकस

- सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, वाहन क्षेत्र में बड़े समझौते संभव; सुजुकी मोटर के अध्यक्ष भी प्रतिनिधिमंडल में

नई दिल्ली ।

जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची का आगामी गुवाहाटी दौरा भारत में बड़े जापानी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला समझौतों पर मुहर लगा सकता है। उनके साथ 50 जापानी कंपनियों के अधिकारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जो प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी के अवसर तलाशेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच गुवाहाटी में होने वाली प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में निवेश, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढीकरण और रणनीतिक तेल भंडार के लिए वित्तीय सहायता पर महत्वपूर्ण समझौते होने की संभावना है। जापान भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग को उत्सुक है, जिसमें 2 अरब डॉलर की 'साउथ-ईस्ट एशिया इन्वेस्टमेंट फाइनैंसिंग फैसिलिटी' के तहत रणनीतिक भंडार बढ़ाना शामिल हो सकता है।

सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वाहन जैसे क्षेत्र जापानी व भारतीय कंपनियों के लिए प्रमुख फोकस रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल में सुजुकी मोटर के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजूकी जैसे बड़े उद्योगपतियों की उपस्थिति इन क्षेत्रों में बढ़ती जापानी दिलचस्पी को दर्शाती है। असम का मोरीगांव, जो भारत के पहले स्वदेशी सेमीकंडक्टर सुविधा केंद्र (टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट द्वारा संचालित) का घर है, जापानी निवेश के लिए एक आकर्षक स्थल के रूप में उभरा है। नई दिल्ली के बाहर पूर्वोत्तर में यह शिखर वार्ता क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक और व्यावसायिक महत्व को रेखांकित करती है, जिससे भारत के पूर्वी द्वार पर नए आर्थिक अवसर खुलने की उम्मीद है।

सम्पादकीय

अमेरिका-ईरान के बीच संधि होना विश्व के लिए बड़ी राहत

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने के लिए दोनों की ओर से एक संधि पर हस्ताक्षर करना विश्व के लिए राहत भरी खबर है, लेकिन इस संधि पर आशंकाओं के इतने बादल मंडरा रहे हैं, कि विश्वास ही नहीं होता है कि वास्तव में अब युद्ध पूरी तरह रुक जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के उपराष्ट्रपति के बीच इस संधि पर हस्ताक्षर किए गए हैं। निश्चित रूप से यह ईरान के लोगों के लिए बड़ी कामयाबी है, लेकिन अब अमेरिका में पूछा जा रहा है कि आखिर इस युद्ध से क्या हासिल हुआ है। अगर उस संधि के प्रस्तावों पर गौर करें जोकि दोनों देशों के बीच हुई है तो उसमें ईरान का पक्ष भारी नजर आता है। जैसे कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर कब्जा करके अमेरिका को अपने पक्ष में झुकने को मजबूर कर दिया। हालांकि इजरायल की जनता और उसकी भावनाओं का अमेरिका ने जरा सा भी ख्याल नहीं रखा, जबकि इजरायल ने अपनी आजादी को बनाए रखने के लिए इस युद्ध को ईरान समर्थित आतंकियों के खिलाफ शुरू किया था। यही वजह है कि अब इजरायल के लोग खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं और यह वास्तव में है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भविष्य में ईरान समर्थित आतंकी संगठन इजरायल पर पुनः हमले न करें, तब अमेरिका क्या फिर से इजरायल को बचाने के लिए आएगा। जबकि मौजूदा हालात तो यह हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने लगभग अपनी गलती मानते हुए इजरायल के प्रधानमंत्री की आलोचना की है। यानी उन्हें लगता है कि ईरान के साथ युद्ध में पड़ने की वजह इजरायल है।

अगर इस संधि के तहत अमेरिका और ईरान के खोए और पाए पर विचार करें तो इसमें उस प्रमुख मुद्दे पर महज अस्थायी सहमति बनी है, जोकि इसके विवाद की जड़ में है। वह मामला है परमाणु कार्यक्रम का। दोनों देशों के बीच 14-सूत्रीय ऐतिहासिक अंतरिम समझौते में परमाणु मुद्दे पर एक तात्कालिक और अस्थायी सहमति ही बनी है, जिसे आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। ईरान ने इस समझौते में स्पष्ट रूप से यह भरोसा दिया है कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, विकसित नहीं करेगा और न ही खरीदेगा। निश्चित रूप से ऐसा हुआ तो यह अमेरिका के लिए एक कामयाबी होगी, और विश्व में शांति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस नए परमाणु समझौते के लागू होने से ईरान पर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे।

अगर इस संधि के तहत अमेरिका और ईरान के खोए और पाए पर विचार करें तो इसमें उस प्रमुख मुद्दे पर महज अस्थायी सहमति बनी है, जोकि इसके विवाद की जड़ में है। वह मामला है परमाणु कार्यक्रम का। दोनों देशों के बीच 14-सूत्रीय ऐतिहासिक अंतरिम समझौते में परमाणु मुद्दे पर एक तात्कालिक और अस्थायी सहमति ही बनी है, जिसे आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। ईरान ने इस समझौते में स्पष्ट रूप से यह भरोसा दिया है कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, विकसित नहीं करेगा और न ही खरीदेगा। निश्चित रूप से ऐसा हुआ तो यह अमेरिका के लिए एक कामयाबी होगी, और विश्व में शांति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस नए परमाणु समझौते के लागू होने से ईरान पर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। 2015 के समझौते में केवल परमाणु से जुड़े प्रतिबंध हटे थे, लेकिन आतंकवाद और मानवाधिकार के मुद्दे पर प्रतिबंध जारी थे। इस बार पूरी राहत का वादा है। इसके अलावा युद्ध के बाद ईरान को दोबारा खड़ा करने के लिए 300 अरब डॉलर का फंड बनाया जाएगा। लेकिन दिलचस्प यह है कि ट्रंप ने साफ किया है कि अमेरिका इसमें कोई पैसा नहीं देगा। तो अमेरिका अगर इसके लिए फंड नहीं देगा तो फिर कौन देगा।

बेशक, अमेरिका ने ईरान को काफी नुकसान पहुंचाया है। अमेरिकी और इस्राइली हवाई हमलों ने ईरान की पारंपरिक नौसेना और वायु सेना को लगभग नष्ट कर दिया। ईरान की मिसाइल निर्माण क्षमता काफी साल पीछे चली गई है और उसके मिसाइल स्टॉक का लगभग एक-तिहाई से आधा हिस्सा तबाह हो गया है। अमेरिका-इजरायल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए, जिससे ईरानी शासन को गहरा झटका लगा। ईरान ने वैश्विक तेल आपूर्ति के इस सबसे महत्वपूर्ण रास्ते को बंद कर दिया था। नए समझौते के तहत अमेरिका इस नाकेबंदी को हटवाने और व्यापारिक जहाजों के लिए इसे फिर से सुरक्षित खुलवाने में सफल रहा। जाहिर है, ईरान की भी यह मजबूरी है कि वह इस संधि को स्वीकारे। बेशक, उसकी स्थिति घुटनों पर आने की है, लेकिन मुस्लिम भाईचारे में अपनी नाक बचाने और दुनिया के समक्ष एक असफल मुल्क कहलाने के बजाय अपने वजूद के लिए लड़ते रहने वाले देश के रूप में उसने अपनी पहचान को स्थापित करने के लिए एक सम्मानजनक संधि स्वीकार करने की जिद की। इस युद्ध के दौरान ईरान भारी नुकसान उठाना पड़ा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मुख्य उद्देश्य ईरान में शासन परिवर्तन करना और ईरान समर्थित प्रॉक्सी समूहों, जैसे हिजबुल्ला और हूती को पूरी तरह खत्म करना था। हालांकि, भारी हमलों के बावजूद ईरान का शासन तंत्र सुरक्षित बचा रहा और उसके प्रॉक्सी नेटवर्क पूरी तरह समाप्त नहीं हुए। बहरहाल, इस संधि की कमी पेशी जो भी हों, यह बड़ी बात है कि अब अमेरिका और ईरान ने इस युद्ध को खत्म करने का निर्णय ले लिया है। वैश्विक समुदाय ने इस दिशा में भरसक प्रयास किए थे, जिनके बाद अब यह समय आया है। संभव है, विश्व में महंगाई के बढ़ते दबाव को अब रोका जा सकेगा।

टच कीजिए टच-स्क्रीन!

दैनिक अर्थ प्रकाश

स्पिरिचुअल हीलर
सिद्ध गुरू प्रमोद निर्वाण
गिनीज़ विश्व रिकॉर्ड विजेता लेखक

अल्बर्ट आइंस्टीन को भला कौन नहीं जानता? आइंस्टीन केवल एक साधारण वैज्ञानिक ही नहीं थे, वे एक महान वैज्ञानिक और सिद्धांतकार थे। अपने क्रांतिकारी विचारों और खोजों से उन्होंने आधुनिक विज्ञान की दिशा ही बदल दी। उन्होंने कई ऐसे सिद्धांत दिए, जिनसे आज की तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और परमाणु ऊर्जा तक प्रभावित हुए हैं। सापेक्षता का सिद्धांत उनकी सबसे प्रसिद्ध खोज है। उन्होंने बताया कि समय, दूरी और गति स्थिर नहीं होते, बल्कि परिस्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। इसी सिद्धांत की वजह से आज ब्लैक होल, गुरुत्वीय तरंगें और ब्रह्मांड की कई घटनाएँ समझी जा सकीं। उनकी एक और प्रमुख खोज थी कि पदार्थ और ऊर्जा एक-दूसरे में बदले जा सकते हैं। इसी सिद्धांत ने आगे चलकर परमाणु ऊर्जा और परमाणु बम के विकास का रास्ता खोला। फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव की उनकी खोज से सिद्ध हुआ कि प्रकाश केवल तरंग नहीं, बल्कि फोटॉन नामक छोटे-छोटे ऊर्जा कणों के रूप में भी काम करता है, इसी खोज के लिए उन्हें 1921 में नोबेल पुरस्कार मिला। सोलर पैनल, कैमरे के सैंसर, टीवी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जुड़ी बहुत सी तकनीकें इसी सिद्धांत पर आधारित हैं। आइंस्टीन के इन सिद्धांतों के कारण ही आज प्रयोग होने वाले जीपीएस सिस्टम, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, लेज़र तकनीक और सोलर ऊर्जा आदि के क्षेत्रों का विकास हो सका। आइंस्टीन को संगीत से बहुत प्रेम था और वे नियमित रूप से वायलिन बजाया करते थे। वे शांति के समर्थक थे और युद्ध के खिलाफ बोलते थे। यही कारण है कि आइंस्टीन को केवल एक वैज्ञानिक नहीं, बल्कि मानव इतिहास के सबसे प्रभावशाली विचारकों में गिना जाता है।

अल्बर्ट आइंस्टीन ब्रह्मांड के रहस्य समझा सकते थे – रोशनी, समय, गुरुत्वाकर्षण और इस दुनिया की बनावट तक, लेकिन उनके जीवन का एक दुखद अध्याय यह है कि वे अपने और अपने बेटे के बीच की दूरी कम नहीं कर सके। उनका छोटा बेटा एडुआर्ड बहुत भावुक, बुद्धिमान और प्रतिभाशाली था। उसे कविता से प्रेम था, वह शोपां का संगीत बहुत सुंदर बजाता था, और मनोचिकित्सक बनने का सपना देखता था। आइंस्टीन उसे बहुत प्यार करते थे, लेकिन जब आइंस्टीन का विवाह टूटा, तब वे बेटे के जीवन में धीरे-धीरे दूर होते चले गए। वे चिट्ठियों में तो पिता बने रहे, पर जीवन में साथ नहीं दे सके।

बड़ा होने पर एडुआर्ड को मानसिक बीमारी हो गई। उसने अपना अधिकतर जीवन ज्यूरिख के एक मानसिक चिकित्सालय में बिताया। उस समय तक आइंस्टीन पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो चुके थे और प्रिंस्टन में रहते थे। वे पैसे भेजते थे, कभी-कभी पत्र लिखते थे और बेटे का हाल पूछ लेते थे, लेकिन वे उससे फिर कभी मिलने नहीं गए। उनके स्वर्गवास के कई वर्षों बाद, आइंस्टीन के कागज़ों में एक ऐसा पत्र मिला, जो उन्होंने एडुआर्ड के लिए लिखा था, पर कभी भेजा नहीं। उस पत्र में उन्होंने याद किया कि बचपन में उनका बेटा कैसे शोपां बजाया करता था। फिर उन्होंने एक ऐसी पंक्ति लिखी, जिसने सब कुछ कह दिया – मुझे तुम्हारे साथ और अधिक समय बिताना चाहिए था। मैं विचारों के पीछे भागता रहा, जबकि मुझे तुम्हारे पीछे भागना चाहिए था।

वह पत्र कभी भेजा नहीं गया। एडुआर्ड उसे कभी पढ़ नहीं पाया। अपने अंतिम दिनों में एडुआर्ड अस्पताल में ही रहा। उसके बिस्तर के पास हमेशा अपने पिता की तस्वीर रखी रहती थी। जब आइंस्टीन की मृत्यु हुई, तब एडुआर्ड को यह समाचार दिया गया। वह लंबे समय तक चुप बैठा रहा। फिर वह कमरे में गया और शोपां का संगीत बजाने लगा।

यह केवल आइंस्टीन की कहानी नहीं है। यह उन शब्दों की कहानी है, जिन्हें हम कहना चाहते हैं, उन फ़ोन कॉल्स की कहानी है, जिन्हें हम टालते रहते हैं, उन चिट्ठियों की कहानी है, जिन्हें हम कभी भेज नहीं पाते। जीवन के सबसे बड़े पछतावे अक्सर उन कामों के नहीं होते, जो हमने किए। वे उन भावनाओं के होते हैं, जिन्हें हमने महसूस तो किया, लेकिन कभी कह नहीं पाए। सच तो यह है कि मन की बातें कभी दबाकर नहीं रखनी चाहिए। इससे गलतफहमियां और मन में कल्पनाएं पैदा होती हैं। जब बहुत अधिक चुप्पी होती है, तब इंसान जरूरत से ज़्यादा सोचने लगता है, इसलिए अपने भाव थोड़ा खुलकर व्यक्त करना सीखिए। हर व्यक्ति आपके मन की बात अपने-आप नहीं समझ सकता। अगर हमें कुछ चाहिए तो हमें साफ-साफ़ कह देना चाहिए। नाराज़ होकर यह उम्मीद मत रखना गलत है कि सामने वाला हमारी चुप्पी समझ जाएगा। अगर हम किसी को पसंद करते हैं तो भी बताना चाहिए। मन ही मन दुखी होते रहने से कुछ नहीं बदलता। अगर हमें कोई बात या कोई व्यक्ति अच्छे नहीं लगते तो विनम्रता से सच बोल देना श्रेयस्कर है। दूरी बनाकर यह उम्मीद मत रखना गलत है कि सामने वाला इशारा समझ जाएगा।

जीवन का एक बहुत सरल नियम है, जो इंसान की पूरी दुनिया बदल सकता है। मन की बात कह मन में रखने के बजाए कह देनी चाहिए। उसे हम भीतर न दबायें। चिट्ठी लिखें तो भेज भी दें। बहुत देर होने से पहले ही कह भी दें और याद रखें कि जीवन में मिले लोगों और ईश्वर की कृपाओं के प्रति अपना प्रेम और आभार बिना झिझक जताते रहें। हमारा हृदय आधुनिक स्मार्ट फोन की टच-स्क्रीन की तरह का है। इसे टच करते रहें, छूते रहें, मन को सहलाते रहें, दुलारते रहें तो प्रेम बना रहेगा, रिश्तों की मिठास बनी रहेगी। मां-बाप की व्यस्तता के बीच अकेलेपन से जूझ रहे बच्चे जब अपने मन की बात किसी को नहीं कह पाते तो गलत राहों पर मुड़ जाते हैं।

मोबाइल फोन, इंटरनेट और गलत संगत उन्हें किसी भी ऐसी दिशा में धकेल सकती है जहां बाद में सिर्फ पछतावा ही हाथ लगता है। बच्चे की भावनाओं को समझें, उसे बोलने का मौका दें, गलतियां करने और सीखने का मौका दें। बच्चे का ध्यान रखें, उसका उत्साह बढ़ाएं, उसे सही समय पर मार्गदर्शन दें पर कठोर न बनें, अनुशासन ऐसा न हो कि वह बंदिश बन जाए। कभी-कभार उसे मनमानी भी करने दें, मन का गुबार निकलता रहे, उबाल निकलता रहे तो कुकर प्रेशर फटता नहीं। हमें याद रखना चाहिए कि मन बहुत कोमल है, टच-स्क्रीन की तरह संवेदन शील है, इसे टच करते रहिए, खुशियां बांटते रहिए और खुद भी खुश रहिए। इसी में जीवन की सार्थकता है।

योग यात्रा

दैनिक अर्थ प्रकाश

'योग' परमपिता परमात्मा तक पहुंचने का दिव्य मार्ग है यह परमात्मा से प्रवाहित होकर हम मनुष्यों तक पहुंचा है। भगवान शिव को 'आदियोगी' तथा श्री कृष्ण को 'योगीराज' कहा जाता है। जब हम भगवान शिव का ध्यान करते हैं तो गहन समाधि में निमग्न, असीम शांति देती हुई आदियोगी की छवि ही दिखाई देती है और जब हम श्री कृष्ण का ध्यान करते हैं तो केवल आनंद में मग्न लीलाएं करते आनंद बिखरते परम पुरुष की छवि ही दिखाई देती है जिनको देखने मात्र से हम दुःख से एक क्षण को परे हो जाते हैं। जहां एक ओर आदियोगी स्वयं किसी परमात्मा की साधना करते दिखाई देते हैं वहीं योग के दिव्य ज्ञान को श्रीकृष्ण ने अर्जुन के साथ प्रश्नोत्तर रूप में प्रकट किया, जो 'श्रीमद्भगवद्गीता' के रूप में समस्त मानवता का पथप्रदर्शन कर रहा है। जिसमें एक साधारण मनुष्य के मन में उठने वाले सभी प्रश्नों के उत्तर हैं। जब हमारे आराध्य स्वयं साधना में रत रहते हैं तो हम मनुष्यों की तो बात ही क्या है। आदियोगी शिव ने मत्स्येंद्र नाथ जी को योग की दीक्षा दी। गुरु मत्स्येंद्र नाथ जी द्वारा होता हुआ हठ योग गुरु गोरखनाथ जी तक पहुंचा। गुरु गोरक्षनाथ, महर्षि पतंजलि और इसके बाद बहुत से ऋषि महर्षि और गुरुओं ने इसे साधारण मनुष्यों के लिए सर्व सुलभ और सर्व ग्राही बनाया। योग की 2 परंपराएं हैं भगवान शिव से हठ योग तथा भगवान विष्णु से राजयोग। एक तीसरा है भक्ति योग जो सभी मनुष्यों के लिये परम सरल है। वे व्यक्ति जिन्हें पूर्व के दोनों योग मार्ग कठिन जान पड़ते हैं वे भक्तिमार्ग के द्वारा परमात्मा तक पहुँच सकते हैं। साधनों के भेद से योग को 1 राजयोग अर्थात ध्यान योग , 2 ज्ञानयोग अर्थात सांख्य योग, 3 कर्म योग अर्थात निष्काम कर्म आनासक्तियोग, 4 भक्ति योग, 5 हठ योग आदि श्रेणियों में विभक्त किया गया है ।

वस्तुतः ये योग परमात्मा को पाने या यों कहें की परमात्मा तक पहुंचने के मार्ग हैं हमारे सभी ग्रंथों में यही वर्णन मिलता है और हमारे ऋषियों ने इसी यात्रा को पूरी करने के लिए बहुत से ग्रंथ लिख डाले जिन्हें पढ़कर हम वास्तविक स्थिति को जान सकते हैं कि हम इस यात्रा में कहां तक पहुंचे हैं अथवा हम ने स्वयं को कितना सार्थक बनाया है कि हम योग के मार्ग पर चल सके या अभी हम तन और मन से इस यात्रा से बहुत पीछे हैं। इस योग यात्रा की हमने कितनी तैयारी की है।

यदि आपको एहसास होता है कि आप सभी के लिए निर्मल हृदय रखते हैं तथा कुछ है आपके आसपास जो हर पल आपकी सहायता करता रहता है तो आप

योग के सही मार्ग पर हैं। अन्यथा सर्वप्रथम अपने मन को स्वच्छ और निर्मल कीजिए। यह भक्ति मार्ग है जिसमें आप शनैः शनैः स्वयं आगे बढ़ते रहते हैं ।

श्रीमदभगवद्गीता

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति।।6.30।।

भावार्थ: जो साधक मुझे सर्वत्र देखता है और सम्पूर्ण जगत को मुझमें देखता है, वह मुझसे कभी अलग नहीं होता और मैं उससे कभी अलग नहीं होता।

योग का बहुत प्रचलित मार्ग है 'हठ योग'। जैसा कि नाम से ही प्रतीत होता है कि हठपूर्वक इस मार्ग पर चल पड़ना। कठिन साधना के द्वारा योग को प्राप्त हो जाना। घेरंड संहिता में 'महर्षि घेरंड' ने हठयोग के 7 अंगों (साधनों) का वर्णन किया है, जिसे 'सप्तांग योग' या 'घटस्थ योग' कहा जाता है।

ये सात अंग निम्नलिखित हैं-

षट्कर्म (शोधन): शरीर को शुद्ध और रोगमुक्त करने के लिए 6 क्रियाएं (धौती, बस्ती, नेति, त्राटक, नौली और कपालभाति)।

आसन (दृढ़ता): शरीर को मजबूती और स्थिरता प्रदान करने वाले विभिन्न शारीरिक अभ्यास।

मुद्रा (स्थिरता): मन की स्थिरता और ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करने वाली मुद्राएं।

प्रत्याहार (धैर्य): इंद्रियों को बाह्य विषयों से हटाकर भीतर की ओर मोड़ना।

प्राणायाम (लाघव - हल्कापन): श्वास-प्रश्वास के नियंत्रण द्वारा प्राण ऊर्जा को बढ़ाना।

ध्यान (प्रत्यक्ष): मन को एकाग्र करके ईश्वर या आत्मा का साक्षात्कार करना।

समाधि (निर्लिप्तता): परम अवस्था की प्राप्ति, जहाँ साधक सांसारिक बंधनों से मुक्त हो जाता है।

महर्षि घेरंड के अनुसार, इन 7 अंगों के निरंतर अभ्यास से साधक का शरीर, मन और आत्मा परिपक्व होकर मोक्ष प्राप्त करने योग्य बन जाते हैं।

महर्षि पतंजलि के 'योगसूत्र' में योग के आठ अंग बताए गए है। ये आठ अंग निम्नलिखित हैं-

यम: नैतिक और सामाजिक अनुशासन (अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह)।

नियम: व्यक्तिगत और आंतरिक अनुशासन (शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्राणिधान)।

आसन: शारीरिक स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए विभिन्न शारीरिक मुद्राएं।

प्राणायाम: श्वास-प्रश्वास को नियंत्रित करने की श्वास प्रक्रिया।

प्रत्याहार: इंद्रियों को बाहरी विषयों से हटाकर भीतर की ओर मोड़ना।

धारणा: मन को किसी एक वस्तु या विचार पर केंद्रित करना (एकाग्रता)।

ध्यान: बिना किसी व्यवधान के निरंतर मन को शांत और केंद्रित रखना।

समाधि: ध्यान की सर्वोच्च अवस्था, जहाँ साधक और ईश्वर (परमात्मा) एक हो जाते हैं।

योग के साधक इन अंगों के परिचय द्वारा स्वयं को जान सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में है और किस स्थिति तक उन्हें पहुंचना है। योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाना ही नहीं है वरन् स्वयं को ईश्वर में एकाकार कर लेना, आत्मा को उस परमात्मा में लीन करना ही वास्तविक 'योग' है। यह वह स्थिति है जहां 'मैं' शेष नहीं रहता सब 'ईश्वर' हो जाता है।

– सपना 'अनुश्री'

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

पुस्तकीय ज्ञान से दूर अस्तित्व का संघर्ष जरूरी है

चंडीगढ़। शिक्षा मात्र शिक्षा न होकर व्यावहारिक शिक्षा होनी चाहिए। व्यक्ति अगर पीएचवी तक भी पढ़ गया है और उसे अपने छोटे-बड़े दूर और नजदीक लोगों से व्यवहार करना नहीं आता, बात करनी नहीं आती, तो शिक्षा अपने आप में अपूर्ण है। आज के युग में हर व्यक्ति दूसरे से आगे बढ़ना चाहता है और आगे बढ़ने के लिए छोट-छोटे सिद्धांत जो महत्व में बहुत बड़े होते है। हमारे जहन में बहुत बड़े होते हैत्र हमारे जहन में घर नहीं करते। उन्हें हमें साथ रखकर आगे बढ़ना चाहिए।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1837 क्वीन विक्टोरिया मात्र 18 साल की उम्र में ब्रिटेन की महारानी बनी। 1901 तक वे इस पद पर रहीं।

1840 सैमुएल मोर्स को टेलीग्राफ का पेटेंट मिला था।

1858 ग्वालियर के किले पर ब्रिटिश सेना का कब्जा और इसके साथ ही सिपाही विद्रोह का अंत हुआ।

1873 भारत में वाई.एम.सी.ए. की स्थापना।

1887 मुंबई स्थित विक्टोरिया टर्मिनस (छत्रपति शिवाजी टर्मिनस) लोगों के लिए खुला। आज यह देश के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है।

1895 कैरोलिना विलर्ड बाल्डविन ने कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से पीएचडी की। किसी अमेरिकी यूनिवर्सिटी से पीएचडी करने वाली वे पहली महिला हैं।

बोल ब्यूटीफुल

अश्विनी उपाध्याय: कानून अच्छा है इसलिए चीन, जापान, सिंगापुर जैसे देशों में किसी के मकान-दुकान में भी सामान्य तौर पर चोरी नहीं होती है। कानून घटिया है इसलिए मकान-दुकान ही नहीं, बल्कि भारत के मंदिर में भी चोरी होती है।

भारत की नई कृषि यात्रा : फसल से आगे, समृद्धि की ओर

दैनिक अर्थ प्रकाश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारतीय कृषि एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। पहले हमारी सबसे बड़ी चिंता यह थी कि देश में अनाज की कमी न हो, किसी तरह भूख से बचाव हो जाए। आज मोदी जी की दूरदर्शिता और किसान-हितैषी नीतियों ने कृषि को सिर्फ 'उत्पादन का क्षेत्र' नहीं रहने दिया, बल्कि किसान की समृद्धि, जोखिम-सुरक्षा, पोषण सुरक्षा, हरित तकनीक और ग्रामीण विकास का समन्वित आधार बना दिया है। हरित क्रांति के बाद पहली बार नीतियों का फोकस केवल 'कितना उत्पादन' पर नहीं, बल्कि 'किसान की वास्तविक आय कितनी, खेती कितनी टिकाऊ, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था कितनी मज़बूत' पर आ गया है। इसी सोच से दलहनङ्कतिलहन मिशन, कॉटन मिशन, प्राकृतिक खेती मिशन, प्रधानमंत्री धनङ्कधान्य कृषि योजना, खेत बचाओ अभियान, डिजिटल कृषि और शोधङ्कनवाचार; सबको एक ही व्यापक दृष्टि से जोड़ा जा रहा है।

उत्पादन से आगे-आय, सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था: आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में 3765.63 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है। धान, गेहूँ, मक्का, दालें और तिलहन- सभी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। यह केवल ज्यादा पैदावार नहीं, बल्कि कुल ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए विस्तार और मजबूती का प्रमाण है। साथ-साथ, मोदी सरकार ने किसान की जोखिम-सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) के तहत अब तक 22 किस्तों के माध्यम से किसानों के खातों में सीधे 4.27 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सहायता पहुँच चुकी है, जिससे 9 करोड़ से ज़्यादा किसान परिवारों को हर साल नियमित आय-समर्थन मिलता है। वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) ने देशभर में करोड़ों किसान-आवेदनों को कवर करते हुए फसल के नुकसान की स्थिति में एक मज़बूत बीमा कवच दिया है। सिंचाई, ग्रामीण सड़कों, कृषि-अवसंरचना, वेयरहाउस और कोल्ड-चेन में निवेश ने उत्पादन, भंडारण और बाज़ार तक पहुँच- तीनों को मजबूत किया है। कृषि अब सिर्फ खेत की मेड़ तक सीमित नहीं है। डेयरी, मत्स्य, कुक्कुट, बागवानी, मधुमक्खी-पालन, खाद्य-प्रसंस्करण, भंडारण, ग्रामीण उद्योग, सौर ऊर्जा और सेवा-क्षेत्र; सब मिलकर नई ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

दलहन, तिलहन और कॉटन मिशन-आत्मनिर्भरता और मूल्य-सुरक्षा: लंबे समय तक दालें, खाद्य तेल और कपास-तीनों क्षेत्र हमारी पूरी क्षमता से पीछे रहे। हम दालों और तेलों के लिए आयात पर निर्भर रहे और कपास में भी किसानों को वैश्विक उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। मोदी सरकार ने इन तीनों को रणनीतिक प्राथमिकता देते हुए अलग-अलग मिशन के रूप में आगे बढ़ाया है। राष्ट्रीय दलहन मिशन के माध्यम से तुअर, उड़द, मसूर, चना और अन्य दालों का क्षेत्र और उत्पादकता बढ़ाने के लिए बीज से लेकर बाज़ार तक पूरी वैल्यू चेन पर काम हो रहा हैङ्क उच्च-उपज किस्में, क्लस्टर आधारित खेती, प्रसंस्करण इकाइयाँ, MSP का सुदृढ़ ढाँचा, सरकारी खरीद, भंडारण और निर्यात तक। लक्ष्य यह है कि भारत दालों में पूरी तरह आत्मनिर्भर बने, आयात बिल घटे और किसानों को उच्च मूल्य वाली इन फसलों से स्थायी आय मिले। इसी तरह तिलहन मिशन के ज़रिए सरसों, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल और पाम ऑयल जैसी फसलों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यह केवल पैदावार बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता, किसानों को बेहतर दाम और देश की तेल सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में व्यापक रणनीति है। इसके साथ-साथ कॉटन मिशन के तहत कपास की उच्च-उपज और कीट-रोधी किस्में, उन्नत कृषि-प्रणालियाँ, कीट-प्रबंधन, फसल विविधीकरण, टेक्सटाइल वैल्यू-चेन से

बेहतर जुड़ाव और गुणवत्ता सुधार पर काम हो रहा है। कपास भारत के लाखों किसानों के लिए नकदी फसल है; मिशन का उद्देश्य है कि किसान को उत्पादन के साथ-साथ वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा योग्य गुणवत्ता, बेहतर मूल्य और स्थिर आय भी मिल सके।

प्राकृतिक खेती मिशन- 1 करोड़ किसान, 75 लाख हेक्टेयर की नई राह: तेज़ी से बढ़ती रासायनिक निर्भरता, मिट्टी की थकान और भूजल पर दबाव- ये सब हमें आगाह कर रहे हैं कि खेती के तरीके बदलने होंगे। इसी समझ के साथ हमारे विजनरी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती को एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए सेंसिटाइज़ किया जाए, उनमें से लगभग 18 लाख किसानों को सक्रिय रूप से प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए तैयार किया जाए और चरणबद्ध रूप से करीब 75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के दायरे में लाया जाए।

यह परिवर्तन धीरे-धीरे, वैज्ञानिक प्रमाणों और किसानों के अपने अनुभव के आधार पर आगे बढ़ रहा है। छोटे किसानों को प्रेरित किया जा रहा है कि वे अपनी कुछ भूमि पर प्राकृतिक खेती का मॉडल बनाकर देखें; उन्हें प्रशिक्षण, स्थानीय संसाधनों पर आधारित पैकेज, प्रमाणन, ब्रांडिंग और बाज़ार-जुड़ाव में मदद दी जा रही है। उद्देश्य यह है कि मिट्टी की उर्वरता बढ़े, रासायनिक लागत घटे, जलवायु झटकों के सामने फसलें अधिक टिकाऊ हों और उपभोक्ताओं को स्वास्थ्यप्रद, पोषक भोजन मिल सके।

प्रधानमंत्री धनङ्कधान्य कृषि योजना और फोकस में 100 कम उत्पादन वाले जिले: भारत जैसे विशाल देश में कुछ क्षेत्र बहुत तेज़ी से आगे बढ़ते हैं, जबकि कुछ जिले अलग-अलग वजहों से पीछे रह जाते हैं। इस असमानता को कम करने के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की संकल्पना की गई है। इस योजना के तहत लगभग 100 कम उत्पादन वाले ज़िलों की पहचान की गई है, जहाँ प्रति हेक्टेयर पैदावार राष्ट्रीय औसत से काफी कम है और किसान अपेक्षित लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इन ज़िलों में 11 विभागों की 36 योजनाओं का कन्वर्जेन्स कर एक समग्र पैकेज दिया जा रहा है- सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य, बीज, उर्वरक, फसल विविधीकरण, पशुपालन, बागवानी, कृषि-उपकरण, कौशल विकास, अवसंरचना और बाज़ार-जुड़ाव; सबको एक साथ जोड़कर। सोच यह है कि योजनाएँ अलग-अलग 'साइलो' में न चलें, बल्कि किसान के खेत और गाँव को केंद्र में रखकर सब मिलकर काम करें। इससे नीति का फोकस केवल 'कितना उत्पादन' से आगे बढ़कर इस पर आया है कि कहाँ उत्पादन कम है, वहाँ लक्षित निवेश और प्रयास से कैसे बढ़ाया जाए, और उससे किसान की आय कैसे ऊपर उठे।

खेत बचाओ अभियान- मिट्टी, पानी और किसान का संतुलन: उत्पादन बढ़ाने की दौड़ में कई जगहों पर मिट्टी और पानी पर दबाव बढ़ा है। असंतुलित उर्वरक उपयोग, भूजल का अत्यधिक दोहन और सीमित फसल चक्र ने खेत की सेहत को प्रभावित किया है। यदि समय रहते दिशा न बदली जाए तो आने वाली पीढ़ियों के लिए हम कमजोर खेत और थकी हुई मिट्टी छोड़ेंगे। इस चुनौती को देखते हुए 'खेत बचाओ अभियान' शुरू किया गया है। यह अभियान केवल मिट्टी बचाने का नहीं, बल्कि किसान की आय, भोजन की गुणवत्ता और भविष्य की खाद्य सुरक्षा की रक्षा का अभियान है। इसके पाँच मुख्य संदेश हैं- हर किसान मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करे, डीएपी और यूरिया पर अत्यधिक निर्भरता कम करे और संतुलित NPK, सूक्ष्म पोषक तत्व, जैव एवं नैनो उर्वरकों को अपनाए, हरी खाद, जैविक खाद और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दे, नकली बीज, उर्वरक और कीटनाशकों के विरुद्ध सतर्क रहे और प्रशासन को तुरंत सूचना दे तथा प्राकृतिक खेती और जलवायु×अनुकूल पद्धतियों की ओर संगठित रूप से बढ़े। लक्ष्य यह नहीं कि उर्वरक अचानक कम कर दिए जाएँ, बल्कि यह है कि हर किसान सही मात्रा, सही समय और सही मिश्रण का उपयोग करे, ताकि मिट्टी की सेहत लंबे समय तक बनी रहे, लागत घटे और उत्पादन भी सुरक्षित रहे।

जब खेत बचेगा, तब किसान बचेगा। जब किसान बचेगा, तब कृषि बचेगी और जब कृषि बचेगी, तब भारत का भविष्य सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यही हमारी नई कृषि यात्रा का सार हैङ्क फसल से आगे, किसान के विश्वास और ग्रामीण भारत की समृद्धि की ओर।

-शिवराज सिंह चौहान

(लेखक केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री हैं।)

1 करोड़ से सेक्टर-46 की सड़कों के किनारे लगेंगे पेवर ब्लॉक - कर्व / चैनल्स बदलने से सेक्टर की बदलेगी सूरत

एरिया पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने एक करोड़ रुपए के विकास कार्य शुरू करवाए

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, वीरेन्द्र सिंह। चंडीगढ़ नगर निगम के वार्ड नंबर-34 के पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने जतिंदर भाटिया जी, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष पवन गुप्ता, डिंपल चावला तथा गुरुद्वारा साहिब सेक्टर-46 डी के प्रधान कुलदीप सिंह जी की उपस्थिति में सेक्टर-46 में सड़कों के किनारे लगे पुराने पेवर ब्लॉकों और कर्व - चैनल्स को बदलने का काम शुरू करवाया । इस परियोजना पर लगभग एक करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे सेक्टर की आधारभूत सुविधाओं और सौंदर्यीकरण को नया रूप मिलेगा।

पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने बताया कि सेक्टर-46 की ए, बी, सी और डी की वी-5 सड़कों के किनारे लगे पुराने और क्षतिग्रस्त पेवर ब्लॉकों तथा कर्व - चैनल्स को हटाकर उनकी जगह 60/40 रेशियो से पेवर ब्लॉकों तथा कर्व - चैनल्स लगाए जाएंगे। इससे जहां महिलाओं, बच्चों खासकर बुजुर्गों को सड़क किनारे पैदल चलने में अधिक सुविधा होगी इसके साथ ही सड़कों किनारे बरसाती पानी की निकासी के प्रबंध भी और मजबूत होंगे। उन्होंने बताया कि लंबे समय से स्थानीय निवासी इन ब्लॉकों की खराब स्थिति के कारण आने-जाने में परेशानी का सामना कर रहे थे। पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने बताया कि वार्ड में लोगों की जरूरतों और सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उनका कहना है कि सड़कों के किनारों को मजबूत और व्यवस्थित बनाने से न केवल क्षेत्र का स्वरूप बेहतर होगा, बल्कि पैदल चलने वालों को भी सुरक्षित और सुविधाजनक रास्ता मिलेगा। उन्होंने कहा कि नए पेवर ब्लॉक लगाने से सड़क किनारों की मजबूती बढ़ेगी और बारिश या नियमित उपयोग के कारण होने वाले नुकसान की संभावना भी कम होगी। इसके साथ ही पूरे क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी बेहतर तरीके से सामने आएगा। स्थानीय निवासियों ने इस कार्य की शुरुआत का स्वागत किया और वार्ड में लगातार किए जा रहे विकास कार्यों के लिए पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी की सराहना की। नगर निगम द्वारा शुरू किया गया यह कार्य आने वाले समय में सेक्टर-46 की सड़कों को अधिक व्यवस्थित, आकर्षक और लोगों के लिए सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मोके पर रेजिडेंट वेलफेयर फोरम 46 डी चंडीगढ़ के प्रेसिडेंट पवन कुमार गुप्ता, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट दलजीत सिंह सोढ़ी, जनरल सेक्रेटरी तरनजीत सिंह चावला, फाइनेंस सेक्रेटरी मोहन लाल ग्रोवर, वाइस प्रेसिडेंट प्रदीप वर्मा, वाइस प्रेसिडेंट के.सी. सचदेवा और

जॉइंट सेक्रेटरी एल.एस. चतुर्वेदी सहित वार्ड के अन्य माननीय लोग गैबी बाई जी, एसएस ग्रेवाल, राज कुमार गोयल, संजीव, कृष्ण अरोड़ा मुसाफिर, सुदर्शन बत्रा, कर्नल दलजीत बिंद्रा, सुशील सोवत तथा राजेश विमल भी हाजिर थे।

ग्रीनको समिट 2026: उद्योगों को नेट-जीरो और सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए CII की तीन नई पहल

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली / नई दिल्ली, 18 जून। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के ग्रीनको काउंसिल द्वारा भारत मंडपम में आयोजित ग्रीनको समिट 2026 में उद्योग, नीति-निर्माताओं और पर्यावरण विशेषज्ञों ने भारत को नेट-जीरो और सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ाने पर चर्चा की। सम्मेलन की थीम 'स्केलिंग नेट जीरो एंड सर्कुलैरिटी- कमिटमेंट, इनोवेशन, कोलैबोरेशन' रही। CII के अध्यक्ष आर. मुकुंदन ने कहा कि स्थिरता अब केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि व्यवसाय की दीर्घकालिक सफलता का आधार है। वहीं जमशेद एन. गोदरेज ने कहा कि डीकार्बोनाइजेशन आज आर्थिक आवश्यकता बन चुका है और उद्योगों को हरित ऊर्जा व नवाचार अपनाना होगा। समिट में तीन नई पहल—CII मैटेरियल सर्कुलैरिटी गाइडलाइंस एवं सर्टिफिकेशन, ग्रीन सप्लाई चेन कोएलिशन (ऑटोमोबाइल सेक्टर) और CII हीट पंप अलायंस—लॉन्च की गईं। इनका उद्देश्य संसाधन दक्षता बढ़ाना, सप्लाई चेन को टिकाऊ बनाना, स्कोप-3 उत्सर्जन कम करना और ऊर्जा दक्ष तकनीकों के जरिए औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा देना है। विक्रम कसबेकर ने कहा कि अब उद्योगों को संकल्प से आगे बढ़कर मापनीय परिणाम देने होंगे। वहीं UNIDO इंडिया के निदेशक डॉ. क्रिस्टियानो पासिनी ने कहा कि भारत टिकाऊ विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता का सफल मॉडल बनकर उभर रहा है। ग्रीनको पहल से वर्तमान में 27 से अधिक क्षेत्रों की 1600 से अधिक कंपनियां जुड़ी हुई हैं। नई पहलों के साथ CII ने उद्योगों को अधिक टिकाऊ, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

न्यूज ब्रीफ

श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी पर्व पर सीएसआईओ-सीएसआईआर सेक्टर-30 के स्टाफ ने लगाई मीठे जल की छबील

अर्थ प्रकाश/चंडीगढ़/वीरेन्द्र सिंह। पांचवें पातशाह, शहीदों के सरताज श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी पर्व के अवसर पर सीएसआईओ-सीएसआईआर सेक्टर-30, चंडीगढ़ के स्टाफ द्वारा आज संस्थान परिसर के बाहर श्रद्धा और सेवा भावना के साथ मीठे जल की छबील लगाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राहगीरों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों को मीठा जल और प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में सीएसआईओ-सीएसआईआर के निदेशक डॉ. शांतनु भट्टाचार्य तथा आईएसटीसी के प्रिंसिपल डॉ. संजीव वर्मा ने भी सहभागिता करते हुए गुरु साहिब की शिक्षाओं को मानवता, सेवा और त्याग का संदेश बताया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु अर्जन देव जी का जीवन समाज को सेवा, सहनशीलता और मानव कल्याण के लिए प्रेरित करता है। इस सेवा कार्य में संस्थान के अन्य स्टाफ सदस्य एम.पी. सिंह, हरचरण सिंह, अमरीक सिंह, कर्मवीर सिंह, स्वरजीत सिंह, राकेश कुमार, गुरप्रीत सिंह, बलजीत सिंह तथा नरेंद्र सिंह सहित अन्य कर्मचारियों ने पूरे श्रद्धाभाव से सेवा निभाई। छबील के दौरान लोगों को ठंडा मीठा जल और प्रसाद वितरित किया गया तथा गुरु साहिब के शहीदी पर्व के महत्व को याद करते हुए मानव सेवा का संदेश दिया गया।

गाँव दरिया में 5 नए ट्यूबवेल लगेंगे, आज एक ट्यूबवेल का हुआ शुभारंभ

अर्थ प्रकाश/चंडीगढ़-वीरेन्द्र सिंह। गाँव दरिया में पिछले काफ़ी समय से चल रही पानी की की समस्या से अब जल्द ही गाँववासियों को निजात मिलने जा रहीं हैं एरिया पार्षद बिमला दुबे ने बताया कि गाँव दरिया में कुल 5 ट्यूबवेल लगने हैं इस कार्य को लगभग 1.5 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा। जिसमें आज एक ट्यूबवेल की बोरिंग का शुभारंभ गाँववासियों की मौजूदगी में भाजपा नेता हरीश चंद्र शर्मा जी ने नारियल तोड़कर किया। उन्होंने कहा कि गाँव दरिया में नए ट्यूबवेल लगने से बहुत जल्द पानी की समस्या जड़ से खत्म हो जाएगी। इस मौक़े पर गाँववासियों ने एरिया पार्षद बिमला दुबे जी , पूर्व डिप्टी मेयर अनिल कुमार दुबे जी का इस ऐतिहासिक कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। बिमला दुबे ने बताया कि हमारी माँग पर बहुत जल्द मौली जागरां, विकास नगर, गाँव दरिया, सुंदर नगर व आसपास के क्षेत्रों को नहरी पानी मिलने जा रहा हैं इसके लिए वह चंडीगढ़ के मेयर श्री सौरभ जोशी व निगम कमीशनर अमित कुमार व अन्य निगम अधिकारियों का आभार व्यक्त करती हैं। इस मौक़े पर चंडीगढ़ गढ़वाल सभा के प्रधान शंकर सिंह पवार, एसडीओ गुरचरण सिंह, जेपी राणा, विनय मास्टर, प्रभा सिंह, सोनिया पांडेय, हीरा देवी, पिंकी, इंदू देवी, बचन सिंह, होशियार सिंह, सजनवान सिंह, परमिंद्र नेगी, ओमप्रकाश यादव, विजय खरवार, धनंजय पासवान, शानू दुबे, जेई विनोद कुमार व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

पठानिया पब्लिक स्कूल में 'योग विद् डैड चैलेंज' का सफल आयोजन

अर्थ प्रकाश/रोहतक, सुकरमपाल 19 जून ः अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं फादर्स-डे के उपलक्ष्य में पठानिया पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित 'योग विद् डैड चैलेंज' में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का भरपूर सहयोग और उत्साह प्राप्त हुआ। इस विशेष गतिविधि में बच्चों ने अपने पिताओं के साथ विभिन्न योगासन करते हुए अपनी सुंदर एवं प्रेरणादायक तस्वीरें विद्यालय के साथ साझा कीं। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों एवं उनके पिताओं को योग से जोड़ना तथा परिवार के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों और उनके पिताओं द्वारा भेजी गई तस्वीरों में उत्साह, समर्पण और योग के प्रति जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का एक प्रभावषाली माध्यम है। ऐसी गतिविधियाँ बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन तथा स्वस्थ जीवनशैली की आदतों का विकास करती हैं। इसके अतिरिक्त पिता और बच्चों द्वारा एक साथ योग करने से पारिवारिक संबंधों में मधुरता, आपसी विश्वास, सहयोग एवं भावनात्मक जुड़ाव को भी बढ़ावा मिलता है। यह गतिविधि बच्चों में सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास के साथ-साथ परिवार के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत बनाती है।स्कूल निदेषक अंषुल पठानिया ने बताया कि पठानिया पब्लिक स्कूल सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी रचनात्मक एवं मूल्यपरक गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। 'योग विद् डैड चैलेंज' ने स्वास्थ्य, पारिवारिक एकता और भारतीय संस्कृति के महत्त्वपूर्ण अंग योग को बढ़ावा देने का एक सशक्त संदेश समाज तक पहुँचाया है। इस अवसर पर को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या प्रीति ढांड़ा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं फादर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा सभी के लिए स्वस्थ, खुशहाल एवं संतुलित जीवन की कामना की। 'स्वस्थ परिवार, सशक्त समाज- योग अपनाएँ, जीवन मुस्कुराएँ।

बेसहारा बुजुर्गों के लिए उम्मीद की नई किरण बना सदभावना वृद्धाश्रम, नि:शुल्क प्रवेश की अपील

अर्थ प्रकाश संवाददाता/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

राजकोट। गुजरात के राजकोट-जामनगर हाईवे स्थित 'विनुभाई बचुभाई नागरेचा परिसर' सदभावना वृद्धाश्रम** ने निःसंतान, बेसहारा, बीमार और बिस्तर पर पड़े बुजुर्गों के लिए निःशुल्क प्रवेश की अपील की है। संस्था का उद्देश्य ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवन, चिकित्सा सुविधा और परिवार जैसा वातावरण उपलब्ध कराना है, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है।

संस्था के अनुसार, लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे इस परिसर में 1400 कमरों के माध्यम से 5000 बुजुर्गों के रहने, भोजन, चिकित्सा और देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। 30 एकड़ क्षेत्र में फैले इस परिसर का निर्माण क्षेत्र लगभग 20 लाख

वर्ग फुट है। वर्तमान में यहां 700 से अधिक बुजुर्ग रह रहे हैं, जिनमें लगभग 400 बिस्तर पर हैं।

वृद्धाश्रम प्रबंधन ने बताया कि कैंसर के अलावा अन्य गंभीर शारीरिक बीमारियों से पीड़ित बुजुर्गों को प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही कोमा में पड़े बुजुर्गों तथा ऐसे बेसहारा मरीजों, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है, उनके लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। संस्था का दावा है कि सभी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं और प्रवेश के लिए किसी प्रकार का शुल्क या सदस्यता नहीं ली जाती।

परिसर में 24 घंटे चिकित्सकीय निगरानी, प्रशिक्षित स्टाफ, फिजियोथेरेपी सेंटर, नियमित स्वास्थ्य जांच, आध्यात्मिक गतिविधियां, सत्संग हॉल, पुस्तकालय, गेम रूम, ऑडिटोरियम और आधुनिक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बुजुर्गों की मानसिक शांति के लिए मंदिर का भी निर्माण किया जा रहा है।

सदभावना वृद्धाश्रम ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई निःसंतान, बेसहारा, गंभीर रूप से बीमार, दिव्यांग, बिस्तर पर पड़ा या कोमा में जीवन बिता रहा बुजुर्ग हो, जिसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है, तो उसकी जानकारी संस्था को दें या उसे वृद्धाश्रम तक पहुंचाने में सहयोग करें।

अशोका यूनिवर्सिटी के नए वाइस-चांसलर बने प्रो. ऋषिकेश कृष्णन

प्रो. सोमक रायचौधरी के बाद अब प्रो. ऋषिकेश कृष्णन संभालेंगे अशोका की कमान

अर्थ प्रकाश संवाददाता/ अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

नई दिल्ली, 18 जून। अशोका यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन को अपना नया वाइस-चांसलर नियुक्त करने की घोषणा की है। वह 1 अगस्त 2026 से तीन वर्ष के शुरुआती कार्यकाल के लिए पदभार संभालेंगे। वह प्रोफेसर सोमक रायचौधरी का स्थान लेंगे, जिनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक विस्तार, संस्थागत मजबूती और वैश्विक पहचान हासिल की।

यह नियुक्ति यूनिवर्सिटी की गवर्निंग बॉडी द्वारा गठित चयन समिति की विस्तृत खोज एवं चयन प्रक्रिया के बाद की गई है। प्रोफेसर कृष्णन शिक्षा, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में लंबे अनुभव के साथ इस पद पर आ रहे हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर से फिजिक्स में इंटीग्रेटेड एम.एससी., स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग-इकोनॉमिक सिस्टम्स तथा आईआईएम अहमदाबाद से मैनेजमेंट एवं पब्लिक पॉलिसी में डॉक्टरेट की है। उनका शोध भारत में नवाचार और संस्थागत विकास पर केंद्रित रहा है।

अशोका यूनिवर्सिटी के चांसलर रुद्रांशु मुखर्जी ने कहा कि प्रोफेसर कृष्णन का शैक्षणिक और संस्थागत नेतृत्व का अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। वहीं संस्थापक एवं ट्रस्टी प्रमथ राज सिन्हा ने विश्वास जताया

कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय शैक्षणिक उत्कृष्टता और वैश्विक प्रतिष्ठा की दिशा में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

अपनी नियुक्ति पर प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने कहा कि अशोका यूनिवर्सिटी ने अपनी स्थापना से ही शोध आधारित शिक्षा का मजबूत मानक स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि वह फैकल्टी, छात्रों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के विकास और उसकी दीर्घकालिक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं।

बीजेपी स्पोर्ट्स सेल ने कराया टच रग्बी टूर्नामेंट, चंडीगढ़ यूनाइटेड ने बॉयज़-गर्ल्स दोनों वर्ग में जीता गोल्ड

अर्थ प्रकाश संवाददाता /चंडीगढ़, 19 जून (एयू)। बीजेपी स्पोर्ट्स सेल चंडीगढ़ द्वारा 'वन टीम वन ड्रीम वन नेशन' के नारे के साथ आयोजित टच रग्बी टूर्नामेंट गुरुवार को संपन्न हो गया। 16 से 19 जून तक पीएम श्री गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-14 वेस्ट धनास में खेले गए इस टूर्नामेंट में धनास और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अंडर-19 लड़के-लड़कियों ने हिस्सा लिया।

समापन समारोह में पहुंचे जतिंदर पाल मल्होत्रा

टूर्नामेंट के अंतिम दिन बीजेपी चंडीगढ़ के अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा मुख्य अतिथि रहे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सोनू सरपंच, जिला महामंत्री राज जमवाल, मंडल अध्यक्ष देश राज, मंडल महामंत्री बिन्दर संधू, नरेश राणा, अजय कुमार, पी.सी. डोगरा, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सर्गुन अरोड़ा और फिल्म इंडस्ट्री डायरेक्टर राजवीर मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

चंडीगढ़ यूनाइटेड का दबदबा

बॉयज़ और गर्ल्स दोनों वर्गों में चंडीगढ़ यूनाइटेड ने गोल्ड मेडल जीता। विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी-मेडल दिए गए। बॉयज़ और गर्ल्स वर्ग से एक-एक बेस्ट प्लेयर को 1100-1100 रुपये नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

परिणाम एक नजर में

गर्ल्स

फाइनल- चंडीगढ़ यूनाइटेड ने राइजिंग स्टार को 5-0 से हराया

तीसरे स्थान के लिए- सिंह वॉरियर्स ने वेलोसिटी एफए को 5-0 से हराया

सेमीफाइनल- चंडीगढ़ यूनाइटेड ने सिंह वॉरियर्स को 15-0 से, राइजिंग स्टार ने वेलोसिटी एफए को 20-0 से हराया

अंतिम स्थान- 1. गोल्ड- चंडीगढ़ यूनाइटेड, 2. सिल्वर- राइजिंग स्टार, 3. ब्रॉन्ज- सिंह वॉरियर्स

बॉयज़

फाइनल- चंडीगढ़ यूनाइटेड ने गेम चेंजर्स को 10-5 से हराया

तीसरे स्थान के लिए- सिंह वॉरियर्स ने धनास ड्रीमर्स को 5-0 से हराया

सेमीफाइनल- गेम चेंजर्स ने सिंह वॉरियर्स को 10-0 से, चंडीगढ़ यूनाइटेड ने धनास ड्रीमर्स को 15-0 से हराया

अंतिम स्थान- 1. गोल्ड- चंडीगढ़ यूनाइटेड, 2. सिल्वर- गेम चेंजर्स, 3. ब्रॉन्ज- सिंह वॉरियर्स ,

पी.एस. लांबा , संयोजक, बीजेपी स्पोर्ट्स सेल, चंडीगढ़

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गूंजा स्वस्थ जीवन का संदेश

योग से स्वस्थ जीवन का संदेश, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रोहतक, सुकरमपाल 19 जून । 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम %योग फॉर हेल्दी एजिंग% (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) रही, जिसके अनुरूप प्रतिभागियों को योग के माध्यम से स्वस्थ, संतुलित एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी. एम. यादव, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार, शिक्षकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी, अन्य कर्मचारी तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योगाभ्यास से हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. बी. एम. यादव ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आत्मिक उन्नति का सर्वोत्तम साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों से नियमित योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन जीने का संदेश दिया। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं कार्यक्षमता प्रदान करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से योग को दैनिक जीवन में अपनाकर स्वस्थ समाज और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। योग विशेषज्ञ डॉ. गौरव दलाल ने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ एवं सुदृढ़ बनाता

है, बल्कि तनावमुक्त जीवन और मानसिक शांति प्राप्त करने का भी प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद संजय भाटिया होंगे मुख्यातिथि

*अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एमएम कॉलेज में एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

*20 जून को एमएम कॉलेज में सुबह 6 बजे आयोजित होगी पायलट रिहर्सल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फतेहाबाद, 19 जून। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुष विभाग द्वारा डीसी डॉ. विवेक भारती के निर्देशानुसार स्थानीय एमएम कॉलेज में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. प्रवीण शर्मा ने कहा कि योग को जीवन में अपनाकर हम केवल दीर्घायु ही नहीं, अपितु सुखायु प्राप्त कर सकते हैं तथा जीवन में उच्च लक्ष्यों की भी प्राप्ति की जा सकती है। उन्होंने बताया कि 20 जून को एमएम कॉलेज में ही सुबह 6 बजे योग दिवस की पायलट रिहर्सल आयोजित की जाएगी।

इसके अलावा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें राज्यसभा सांसद संजय भाटिया मुख्यातिथि होंगे। इस दौरान पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली, पूर्व विधायक दुड़ाराम व लक्ष्मण नापा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। उन्होंने जिला वासियों से 21 जून को कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आह्वान किया। उपमंडल टोहाना के योग दिवस कार्यक्रम में नलवा विधायक रणधीर पनिहार तथा उपमंडल रतिया के कार्यक्रम में रतिया विधायक जरनैल सिंह मुख्यातिथि होंगे।

प्रिंसिपल गुरुचरण दास ने कहा कि योग की हर युग में महत्ता रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी योग की जो गरिमामयी उपस्थिति हो रही है, उसमें भारत के संतों से लेकर योग मनीषियों व नागरिकों का योगदान है। उन्होंने कहा कि छात्र योग को अपनाकर अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं तथा कम प्रयासों से अधिक सफलता हासिल कर सकते हैं और तनाव से भी मुक्त हो सकते हैं।

खेल विभाग की ओर से कबड्डी कोच सुरेश कुमार ने सेमिनार में बताया कि किसी भी खिलाड़ी के खेल का स्तर सुधारने के लिए योग अत्यधिक उपयोगी है। योग से आत्मनियंत्रण का अभ्यास होता है। जीत के अति उत्साह व हार से निराशा दोनों को संतुलित किया जा सकता है। बड़े टूर्नामेंट का दबाव और तनाव को दूर किया जा सकता है, खेल के लिए एकाग्र होने में बहुत उपयोगी है।

एडवोकेट संत कुमार ने महर्षि पतंजलि द्वारा योगसूत्र के प्रतिपादन के बारे में बताया तथा गीता में भी विभिन्न अध्यायों में अष्टांग योग के वर्णन के बारे में विशेष रूप से बताया। उन्होंने यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि सभी विषयों को छुआ तथा गीता में उनके उद्धरण ,श्लोक संख्या तथा अध्यायों का विश्लेषण किया।

सेमिनार में शिक्षा विभाग से अध्यापक रमेश कुमार मानसिक तनाव को दूर करने के लिए यम, नियम,

आसन, प्राणायाम व ध्यान की उपयोगिता पर बल दिया। उन्होंने जीवन में सत्य को धारण करना, अनुशासित रहना, कर्तव्य पालन करना तथा योग को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग से हमें बाह्य परिस्थिति में विचलित नहीं कर सकतीं। ब्रह्मकुमारी संस्थान से बहन बीके सुशीला ने शरीर के साथ-साथ आत्मा के स्वास्थ्य पर भी बल दिया। उन्होंने शारीरिक आसन और प्राणायाम के साथ-साथ ध्यान की आवश्यकता पर भी बल दिया तथा आत्मिक रूप से स्वयं को शक्तिशाली ऊर्जा से भरपूर बनाकर समाज में अपना योगदान देने के लिए प्रेरणा दी।

भारत/अफगानिस्तान : अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में राहुल, जायसवाल और राणा पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। पहले दो मैच में धमाकेदार जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी जिसमें केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। राहुल की वनडे टीम में जगह को लेकर कभी कोई संदेह नहीं रहा है, लेकिन जायसवाल शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अपनी जगह पक्की करने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

जायसवाल ने 2025 के बाद वनडे टीम में वापसी की है लेकिन वह लखनऊ में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में केवल चार रन ही बना पाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इससे पहले जो आखिरी वनडे खेला था उसने उन्होंने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाए थे, लेकिन उसके बाद स्थिति काफी बदल गई है और अब ईशान किशन की वापसी ने शीर्ष क्रम में एक और दावेदार को जोड़ दिया है। किशन ने लखनऊ में शतक लगाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

कप्तान शुभमन गिल ने जायसवाल को जगह देने के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और शतक जड़ा। लेकिन जब विराट कोहली मांसपेशियों में खिंचाव से उबरने के बाद वापसी करेंगे तो उनका तीसरे नंबर पर खेलना पक्का है। इससे गिल के पास रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। किशन और श्रेयस अय्यर क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में जायसवाल को सीमित अवसरों का पूरा फायदा उठाना होगा।

जायसवाल के लिए इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना बेहद जरूरी है क्योंकि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की वनडे टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति एक और असफलता को शायद ही बर्दाश्त करेगी। अगर चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव को टी20 विश्व कप में टीम को जीत दिलाने के बावजूद टीम से बाहर कर सकते हैं तो अन्य खिलाड़ियों को भी नहीं बख्शा जा सकता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि जायसवाल की वनडे में किस्मत उनके हाथ में ही है।

राहुल का मामला बिल्कुल अलग है। लंबे अंतराल के बाद भारतीय टीम में अय्यर की वापसी का मतलब है कि 34 वर्षीय राहुल को अब अधिकतर मौकों पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी होगी। राहुल लंबे समय तक पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने इस पोजीशन पर अच्छा प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने पांचवें नंबर पर खेलते हुए 38 मैचों में 63.2 के औसत से 1517 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इसके विपरीत छठे नंबर पर उन्होंने 15 मैचों में 41.5 की औसत से 332 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

BCCI ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद इस मैच के लिए हर्षित राणा को टीम में शामिल किया है। यह तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह ले सकता है, जिन्होंने इस श्रृंखला में अभी तक दोनों मैच खेले हैं। इससे भारत को चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की अनुपस्थिति में निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज का विकल्प भी मिलेगा।

इससे टीम प्रबंधन को ब्रिटेन के दौरे से पहले उनकी फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने का मौका मिलेगा। जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है तो उसने इस

श्रृंखला में एकमात्र टेस्ट मैच और पहले दो वनडे में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। उसकी टीम हालांकि जीत के साथ श्रृंखला का समापन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इसके लिए उसे खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

ब्रॉड ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में भारत से केवल विराट को शामिल किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने समय के खिलाड़ियों की सर्वकालिक टेस्ट एकादश का चयन किया है। इस टीम में उन्होंने कई बड़े दिग्गजों को शामिल किया है पर इसमें भारत से केवल विराट कोहली को ही शामिल किया गया है। ब्रॉड की इस टीम में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं, वहीं दो श्रीलंकाई खिलाड़ी भी इस सूची का हिस्सा हैं।

ब्रॉड ने अपनी टीम में श्रीलंका के कुमार संगकारा और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भी शामिल किया है। संगकारा को ब्रॉड ने उन्हें अपनी टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को नंबर तीन पर और विराट कोहली को नंबर चार पर रखा गया है। कोहली का चयन इस एकादश में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय के रूप में अहम है, जो उनकी विश्वस्तरीय बल्लेबाजी दिखाता है।

इस एकादश में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को जगह नहीं मिली है जबकि ब्राड ने अपने खेल के अंतिम दिनों में उनके खिलाफ गेंदबाजी भी की थी। वहीं मध्य क्रम में ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ को नंबर पांच पर चुना गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस को नंबर छह पर शामिल किया गया है। कैलिस इस टीम के एकमात्र ऑलराउंडर हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को नंबर सात पर रखा गया है। डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को मजबूती देते हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त विकेटकीपिंग कवर भी प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन को इसकी कमान सौंपी गयी है। उनका साथ दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन देंगे। स्टेन जो अपनी पीढ़ी के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ के गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी टीम में जगह मिली है। श्रीलंका के स्पिन जादूगर मुथैया मुरलीधरन को टीम का अकेला विशेषज्ञ स्पिनर रखा गया है। मुरलीधरन टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए हैं।

ब्रॉड की सर्वकालिक टेस्ट एकादश इस प्रकार है:

ग्रीम स्मिथ, कुमार संगकारा (विकेट कीपर), रिकी पोंटिंग, विराट कोहली, स्टीवन स्मिथ, जैक्स कैलिस, एबी डिविलियर्स, मिशेल जॉनसन, डेल स्टेन, मुथैया मुरलीधरन, मिशेल स्टार्क।

महिला टी20 विश्व कप 2026 : वेस्टइंडीज ने रोमांचक मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हराया

लंदन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के 12वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हरा दिया। इस रोमांचक मुकाबले में विजेता का फैसला 19वें ओवर में हुआ। स्कॉटलैंड टीम इस मैच में एक समय जीत के करीब थी पर अंत में इंडीज टीम ने बाजी पलट दी। वेस्टइंडीज की टीम इस जीत के साथ ही आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं स्कॉटलैंड तीसरे स्थान पर फिसल गयी है।

इस मैच में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 153 रन बनाये। उसकी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। एक समय आधी टीम 85 रनों पर ही सिमट गयी थी पर इसके बाद नंबर-7 पर उतरीं स्टेफनी टेलर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए केवल 19 गेंदों में ही 4 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 47 रन बना दिये। इससे टीम 153 रनों तक पहुंच पाई। इसके बाद जीत के लिए मिले 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की शुरुआत काफी अच्छी रही। पहले विकेट के लिए उन्होंने 51 रन बनाये पर इसके बाद जब विकेट गिरने शुरु हुए तो टीम ने 58 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये। 74 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। सलामी बल्लेबाज डार्सी कार्टर एक छोर पर डटी रहीं और उन्होंने 8 चौकों की सहायता से 59 रनों की अहम पारी खेली, जिससे स्कॉटलैंड की उम्मीदें बंधी रहीं और वह मैच में बनी हुई थी। अब आखिरी ओवर में स्कॉटलैंड को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे और उनके पास 2 विकेट बचे थे। वेस्टइंडीज की कियाना जोसेफ ने 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 9 रन दिये और 2 विकेट लिए। इस प्रकार वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड की पारी को अंतिम गेंद पर 146 रन पर समेट दिया और यह रोमांचक मुकाबला 7 रनों से जीत लिया।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत की नजरें चिली को हराकर फाइनल में जगह बनाने पर

आकलैंड (एजेंसी)। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन कर रही आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम निचली रैंकिंग वाली चिली के खिलाफ स्नढ्ढा नेशंस कप सेमीफाइनल में उसी लय को कायम रखना चाहेगी ताकि स्नढ्ढा प्रो लीग में वापसी की ओर अगला कदम रख सके। भारत ने पूल ए में तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

मेजबान न्यूजीलैंड पूल बी में सारे मैच जीतकर शीर्ष पर रहा और दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका से खेलेगा। भारतीय टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में वापसी के लिये नेशंस कप जीतना ही होगा जिससे वह पिछले साल बाहर हो गई थी। पिछले सत्र में 16 मैचों में सिर्फ दस अंक लेने के बाद भारत प्रो लीग में सबसे नीचे रहा और नेशंस कप में खिसक गया था। आठ देशों के एफआईएच नेशंस कप के विजेता को अगले सत्र में प्रो लीग में जगह मिलेगी।

मौजूदा रैंकिंग और फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा चिली पर भारी है। विश्व रैंकिंग में भारत नौवे और चिली 13वें स्थान पर है लेकिन आधुनिक हॉकी में रैंकिंग उतना मायने नहीं रखती। सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच शोर्ड मारिन को कुछ पहलुओं पर काम करना होगा। 17वीं रैंकिंग वाली उरूग्वे को हराने के लिये भारत को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उरूग्वे ने बढत बना ली थी लेकिन दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए और दीपिका सोरेंग ने फील्ड गोल

करके भारत को जीत दिलाई।

ड्रैग फ्लिकर दीपिका शानदार फॉर्म में है और चार गोल कर चुकी है। नवनीत कौर, कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी भी एक एक गोल कर चुके हैं । भारत के लिये एकमात्र फील्ड गोल दीपिका सोरेंग ने किया है। भारत को अगले मैचों में और फील्ड गोल करने होंगे । इसके लिये फॉरवर्ड पंक्ति को मौके बनाकर फिनिशिंग तक ले जाना होगा।

टी20 में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने डु प्लेसी

टेक्सास । टेक्सास सुपर किंग्स टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसी ने शुरु हुई में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2026 के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 41 साल के डु प्लेसी अब टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी ने ये शतक सिएटल ऑर्कास के खिलाफ लगाया था। इस मैच में डु प्लेसी की टीम 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही थी। डु प्लेसी ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 113 रन बनाये। इससे उनकी टीम नौ गेंदें शेष रहते हुए जीत दर्ज करने में सफल रही। इस शानदार पारी के साथ ही वह टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी की उम्र अभी 41 साल और 340 दिन है।

वेस्टइंडीज से हार के बाद रोने लगी स्कॉटलैंड की डिरसी कार्टर

लंदन । स्कॉटलैंड को यहां हुए आईसीसी महिला टी20 विश्वकप के एक रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ 7 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसमें 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की टीम अंतिम दो ओवरों में खराब प्रदर्शन के कारण हार गयी। जीत के करीब पहुंचकर मिली हार से स्कॉटलैंड की टीम की एक खिलाड़ी डिरसी कार्टर डगआउट में ही रोने लगी। कार्टर रोने वाला वीडियो ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कार्टर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 59 रनों की पारी खेली थी पर वह 19वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुईं थी। अगर वह खेलती तो टीम शायद जीत जाती। 19वें ओवर की पहली गेंद पर डार्सी कार्टर आउट हुईं तो स्कॉटलैंड की उम्मीदें टूट गयीं।

कनाडा और मेक्सिको फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचे

वैंकूवर/ एस्टाडियो ग्वाडालाजारा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के आज खेले गये मुकाबलों में सह-मेजबान मैक्सिको और कनाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत हासिल कर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बना ली है। जोनाथन डेविड की हैट्रिक की बदौलत कनाडा ने फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण में कतर पर 6-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

मैच का शुरुआती गोल 16वें मिनट में रिबाउंड पर साइल लारिन ने किया और अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल था। कतर के गोलकीपर महमूद अबुनादा ने डेविड के वॉली शॉट को पंच करके रोक दिया, लेकिन गेंद लारिन के पास गिरी, जिसे उन्होंने गोल में डाल दिया। इसके बाद डेविड ने 29वें मिनट में दाएं पैर से शानदार वॉली मारकर

बढ़त को दोगुना कर दिया।

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में कनाडा ने 3-0 की बढ़त बना ली, जब डेविड ने 48वें मिनट में क्रॉसबार से टकराकर आई गेंद पर गोल दाग दिया। चोटिल कोने के स्थान पर आए नाथन सलीबा ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। 75वें मिनट में मोहम्मद मनाई ने अपने गोलकीपर को चकमा देते हुए शॉट को आत्मघाती गोल में बदल दिया। डेविड ने स्टॉपेज टाइम में हैट्रिक पूरी की और इस विश्व कप में एक मैच में तीन गोल करने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ शामिल हो गए।

इस जीत के साथ कनाडा के अंक बढ़कर चार हो गए हैं और वह गोल अंतर के आधार पर स्विट्जरलैंड से आगे है । इस जीत के साथ ही कनाडा का नॉकआउट चरण में स्थान सुनिश्चित कर लिया है। बुधवार को वैंकूवर में स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा की टीम का दबदबा रहेगा। एक अन्य मैच में मेक्सिको ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। आज यहां खेले गये ग्रुप ए के मुकाबले के शुरुआती चरणों में मेक्सिको का दबदबा रहा, लेकिन बाद में दक्षिण कोरिया ने गेंद को नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और हाफ टाइम की सीटी बजने तक उसका दबदबा रहा। लेकिन कोरियाई गोलकीपर किम सेउंग-गिम की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए मेक्सिको के लुइस रोमो ने मैच के दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद एकमात्र गोल दाग दिया। इसी जीत के साथ मेक्सिको अपने में दो मैचों में छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है।

एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी के हाथों अंतिम क्षणों में 2-1 से हारी भारतीय हॉकी टीम

रॉटरडैम । भारतीय पुरुष हॉकी टीम को यहां हुए एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के एक रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम मैच में अधिकांश समय हावी रही पर अंतिम क्षणों में जर्मनी को एक गोल दागने के करण जीत मिल गयी। भारतीय टीम को मैच के 38वें मिनट में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये थे। जिससे जर्मनी दबाव में आ गयी। वहीं भारतीय रक्षापंक्त ने जर्मन के जवाबी हमलों को नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में, भारतीय टीम ने अपनी तेजी और बढ़ा दी हालांकि वह अवसरों को गोल में नहीं बदल पायी। तीसरे क्वार्टर के अंत तक, भारतीय टीम ने अपनी बढ़त बनाए रखी। जर्मनी को इस दौरान कुछ पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने उन्हें विफल कर दिया। इससे मैच में भारतीय टीम की 1-0 की बढ़त बरकरार रही। वहीं चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने कई हमले किये जिससे उसे बढ़त को दोगुना करने के अवसर मिले। पर टीम इसका लाभ नहीं उठा पायी। वहीं जस्टस वीगैंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। खेल के अंतिम पलों में मैच ड्रॉ होता दिख रहा था तभी जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इसका जिसे गोल में बदलन में जैकब ब्रिला ने कोई गलती नहीं की। इस प्रकार 60वें मिनट में किये इस निर्णायक गोल से जर्मनी की 2-1 से जीत तय हो गयी। अब भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को मेजबान नीदरलैंड्स का सामना करेगी।

फीफा विश्वकप: रोनाल्डो का साथ नहीं दे रहा फुटबॉल

स्पोर्ट्स डेस्क। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए सबसे बुरा एहसास यह नहीं था कि उन्होंने उस टीम के खिलाफ गोल नहीं किया जिसने उनके जन्म से पहले आखिरी बार वर्ल्ड कप खेला था; या यह कि उनके दो प्रयास कमजोर और दिशाहीन थे; या यह कि वे टीम पर बोझ लग रहे थे। असल में फुटबॉल का उनसे प्यार खत्म होता नजर आ रहा है, गेंद उनसे दूर भाग रही है, नजरों से बच रही है और बिना कोई प्रतिक्रिया दिए वापस लौट जाती थी।

बुधवार को ह्यूस्टन में पुर्तगाल का मैच घ्क्र कांगो के साथ 1-1 से ड्रॉ रहा जिसका नतीजा रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन जैसा ही फीका था। 41 साल की उम्र में जब टीम में कई बेहतरीन अटैकिंग खिलाड़ी हों, तो हर खराब प्रदर्शन पर सवाल उठते हैं। हर खराब दिन के साथ, ऐसा लगता है कि वे अपने करियर के अंत के करीब पहुंच रहे हैं। उम्र और कम होती फुर्ती के बावजूद रोनाल्डो में अभी भी गेंद को सही जगह हिट करने और उसे अपनी मर्जी से कहीं भी ले जाने की काबिलियत है। लेकिन कांगो के खिलाफ, वे ऐसा नहीं कर पाए।

68वें मिनट में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ ने रोनाल्डो की तरफ एक 'कट-बैक' पास दिया, जो उनसे थोड़ा पीछे था। हो सकता है कि यह उनकी पसंद की जगह से एक गज दूर रहा हो, लेकिन अपने बेहतरीन दिनों में वे अपने शरीर को सही ढंग से मोड़कर सबसे अच्छी पोजीशन बना लेते थे। अगर ऐसा नहीं भी होता, तो भी वे हमेशा अपने शानदार बूट से गेंद को सही जगह मार देते थे। यहां, उन्होंने शॉट मारा जो 'नियर पोस्ट' से काफी दूर चला गया। उन्होंने गुस्से में मुंह बनाया, यह सोचते हुए कि उनका 'टच' (गेंद पर नियंत्रण) कैसे उनका साथ छोड़ गया।

सबसे बुरी बात यह नहीं थी कि उनका प्रयास खराब था, बल्कि यह थी कि उन्होंने ब्रूनो फर्नांडीस के पैरों के पास से गेंद छीन ली थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड का मिडफील्डर उनके बगल में था, जिसके पास ज्यादा जगह और बेहतर एंगल था। लेकिन रोनाल्डो की फितरत गोल करने में मदद करने की नहीं, बल्कि खुद गोल करने की है। जब 'टच' साथ छोड़ देता है, तो सहज समझ (instincts) भी धोखा दे जाती है। यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने फर्नांडीस की जगह में दखल दिया हो।

कोचिंग स्टाफ को इस लगातार हो रही गड़बड़ी का समाधान ढूंढना होगा। छह मिनट बाद उनके खेल में आती गिरावट का एक और पक्का सबूत मिला। कॉन्सेकाओ ने एक और बेहतर कट-बैक दिया, लेकिन रोनाल्डो ने उसे गलत तरीके से मारा और गेंद दूर चली गई। शॉट जल्दबाजी में और बिना ताकत के था, शायद एक्सल तुआनज़ेबे के चैलेंज की वजह से ऐसा हुआ। लेकिन ये ऐसे पल थे जिन्होंने उन्हें शायद ही कभी परेशान किया हो। वे पैरों के बीच से भी गोल कर सकते थे, शर्ट खींचने वालों और चालाकी से गेंद छीनने वालों से बेपरवाह होकर, उन्हें ताकत और चतुराई से पछाड़ देते थे। यहां, वे परेशान थे, शक से घिरे हुए थे।

विरोधाभास

एक अजीब विरोधाभास है। एक ऐसा व्यक्ति जिसका करियर अटूट आत्मविश्वास पर बना था, अब खुद पर ही शक करने लगा है। शायद यही उनकी परेशानी की जड़ है - खुद पर इतना पक्का भरोसा कि वे अपनी कमजोर होती काबिलियत की सच्चाई को देख ही नहीं पा रहे हैं। रोनाल्डो अब वो नहीं रहे जो वे खुद को समझते हैं।

वे अभी भी अद्भुत रूप से फिट हैं, और उनमें वर्ल्ड चैंपियन बनने का जबरदस्त जुनून है - एक ऐसा खिताब जो उन्होंने कभी नहीं जीता। लेकिन वे उस महान खिलाड़ी का मजाक बना रहे हैं जो वे कभी हुआ करते थे। वे एक हेवी मेटल बैंड के बूढ़े लीड सिंगर की तरह हैं जो अपने अतीत की भारी-भरकम शान में जी रहे हैं और उन्हें पता ही नहीं कि उनकी आवाज अब लड़खड़ा रही है।

जब वे गोल नहीं कर पाते, तो वे टीम के लिए बोझ बन जाते हैं - वे न तो क्रिएटिव काम में शामिल होते हैं और न ही डिफेंस में, उनका प्रभाव का दायरा सीमित हो जाता है। कुछ आंकड़े उनके खराब खेल को दिखाते हैं। उन्होंने 90 मिनट में सिर्फ 20 पास दिए, जो खेल में तेरहवें नंबर पर थे। डिफेंस में उनका योगदान सिर्फ एक था। आगे बढ़ने वाले एक्शन सिर्फ दो थे। वे कभी-कभी लिंक-अप प्ले के लिए पीछे आते थे लेकिन अपने साथियों की रफ़्तार का मुकाबला नहीं कर पाते थे। उनकी सुस्ती पूरी टीम की रफ़्तार धीमी कर रही है, जिसमें बेहतरीन अटैकर और मिडफील्ड कंडक्टर शामिल हैं।

इसके अलावा, वे कांगो की हाई लाइन के आगे घात लगाकर बैठे रहते थे, फिर अंदर आकर गेंद लेने के लिए पीछे हटते थे, और लाइन के पीछे खेले जाने वाले क्रॉस का इंतजार करते थे। उनके

साथियों ने बहुत कोशिश की, लेकिन कोई भी उनके साथ तालमेल नहीं बिठा पाया। वे फेरारी के बीच फंसी एक पुरानी मॉरिस माइनर कार की तरह थे।

मेसी से तुलना

लियोनेल मेसी से तुलना तो होगी ही। मेसी रोनाल्डो से धीमे हैं, लेकिन वे ज़्यादा मौके बनाते हैं; उनकी जगह की समझ (स्पेशल अवेयरनेस) बेहतर है, उनके पास (गेंद दूसरे को देना) डिफेंस को भेदने वाले होते हैं, और जब उनके पैरों में ज़्यादा जान नहीं बचती, तब भी उनकी चाल-ढाल डिफेंडरों को अपनी जगह से हटने पर मजबूर कर देती है। मेसी के आस-पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो उम्र के साथ आई कमियों की भरपाई कर देते हैं। रोनाल्डो के आस-पास बेहतरीन टेक्नीशियन हैं, लेकिन वे उन चीजों की भरपाई नहीं कर सकते जो रोनाल्डो अब नहीं दे पाते। यही पुर्तगाल की बड़ी उलझन है। बेशक, रोनाल्डो अकेले ऐसे पुर्तगाली फुटबॉलर नहीं थे जिनका दिन बहुत खराब रहा, लेकिन टीम की मुश्किलों में उनकी भूमिका अहम थी।

पुर्तगाल के लिए खिताब की मजबूत दावेदारी पेश करने के लिए रोनाल्डो वाली पहेली को सुलझाना होगा। कड़े फैसले लेने होंगे कि उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस्तेमाल किया जाए या बुधवार को रॉबर्टो मार्टिनेज ने जितनी देर से उन्हें बदला था, उससे पहले ही बदल दिया जाए। मैनेजर ने उनका बचाव किया, जैसा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान हमेशा करते आए हैं। उन्होंने कहा, 'हम क्रिस्टियानो के साथ उनकी उम्र के हिसाब से नहीं, बल्कि उनके लक्षणों और उन्हें कैसा महसूस हो रहा है, उसके हिसाब से व्यवहार करते हैं।' हालाँकि, असल स्थिति कुछ और ही कहती है। ऐसा लगता है जैसे फुटबॉल का उनसे मोहभंग हो गया है। फुटबॉल के ऐसा करने से पहले ही पुर्तगाल को इसका कोई समाधान ढूंढ लेना चाहिए।

डब्ल्यूटीसी में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बने रुट

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां दूसरे किकेट टेस्ट क्रिकेट में अपनी 46 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। रुट अपनी इस पारी के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पता चलता है कि टेस्ट में रुट के प्रदर्शन में कितनी निरंतरता है। उनकी करीब कोई भी अन्य बल्लेबाज नहीं है। दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 4,564 रन हैं। रूट ने अपने 76वें डब्ल्यूटीसी मैच की 139वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की है। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीसी इतिहास में उनके नाम सबसे अधिक 23 शतक दर्ज हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद स्टीव स्मिथ के नाम 14 शतक हैं। रूट ने इस दौरान 51 से अधिक की शानदार औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 22 अर्धशतक और 262 रन का अधिकत स्कोर भी शामिल है। रूट मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल (चैंपियनशिप चक्र) में भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। उन्होंने इस मामले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने महज 8 मैचों में 79.16 की बेमिसाल औसत से 950 रन बनाए हैं। इस चक्र में रूट और गिल दोनों के नाम संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 5-5 शतक दर्ज हैं।रुट की निरंतरता जबरदसत है। वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले सीजन से ही जमकर रन बना रहे हैं। 2023-25 चक्र में 22 टेस्ट मैचों में 54.66 की औसत से 1,968 रन बनाकर वह शीर्ष स्कोरर रहे थे।

शिक्षकों की प्रमोशन और सीएएस बहाली की मांग

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ (हपूटवा) ने माननीय मुख्यमंत्री जी को सौंपा ज्ञापन

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ (हपूटवा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज संघ के अध्यक्ष डॉ. नितिन व्यास के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से भेंट कर प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपते हुए प्रदेश के महाविद्यालयों तथा राज्य के पाँचों विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की लंबित पदोन्नति तथा कैरियर एडवांसमेंट स्कीम को शीघ्र बहाल करने की माँग को प्रमुखता से उठाया।

संघ के अध्यक्ष डॉ. नितिन व्यास ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पिछले लगभग चार वर्षों से उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत अनेक शिक्षकों की पदोन्नति और ग्रेड से संबंधित प्रक्रियाएँ बाधित हैं। इसके कारण शिक्षकों को न केवल व्यावसायिक प्रगति में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उनके मनोबल और कार्यक्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक लगातार शिक्षण, शोध, नवाचार और छात्र हितों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, लेकिन उनकी वैधानिक और सेवा-संबंधी माँगें लंबे समय से लंबित पड़ी हुई हैं।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि शिक्षकों को समय पर पदोन्नति और ग्रेड के लाभ प्राप्त हों। यह केवल शिक्षकों के हित का विषय नहीं है, बल्कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, शोध गतिविधियों और शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इस विषय को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए ताकि प्रदेश के हजारों शिक्षकों को राहत मिल सके।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि लंबे समय से पदोन्नति प्रक्रियाओं के रुके रहने के कारण अनेक शिक्षक अपने सेवा-काल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और पात्रताओं के बावजूद उचित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रगति से वंचित हैं। संघ ने इस स्थिति को उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए चिंताजनक बताते हुए सरकार से त्वरित हस्तक्षेप की अपेक्षा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना तथा शिक्षकों की समस्याओं के प्रति सकारात्मक रुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और शिक्षकों की जायज माँगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि शिक्षकों की पदोन्नति और ग्रेड से संबंधित विषयों को प्राथमिकता के साथ देखा जाएगा तथा इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश के शिक्षकों का योगदान राज्य के शैक्षणिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए हुए है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस विषय पर संबंधित विभागों से चर्चा कर आवश्यक निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा ताकि लंबे समय से लंबित मामलों का समाधान संभव हो सके। बैठक के दौरान संघ के प्रतिनिधियों और मुख्यमंत्री के बीच सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आश्वासनों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि सरकार शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी। संघ ने कहा कि शिक्षकों की यह माँग केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने से भी जुड़ी हुई है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को सुनने और उन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने से शिक्षकों में नई आशा का संचार हुआ है। संघ को विश्वास है कि सरकार अपने आश्वासन के अनुरूप जल्द ही आवश्यक निर्णय लेकर शिक्षकों की लंबे समय से लंबित माँगों को पूरा करेगी।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फल वितरित किए

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के 56वें जन्मदिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ने सामाजिक सरोकारों से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित कर सेवा और जनकल्याण का संदेश दिया। कमेटी के अध्यक्ष देशराज गौतम की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने कुष्ठ आश्रम लाल सिंगी में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर रोगियों के बीच फल वितरित किए तथा उनके स्वास्थ्य और सुखद जीवन की कामना की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष देशराज गौतम ने कहा कि राहुल गांधी देश के उन नेताओं में शामिल हैं जो लगातार जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा के भीतर और बाहर आम लोगों की आवाज बनकर कार्य कर रहे हैं तथा जनहित से जुड़े विषयों पर मजबूती के साथ अपनी बात रखते हैं। देशराज गौतम ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी देश में लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राहुल गांधी देश का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री बनेंगे और देश को विकास तथा प्रगति की नई दिशा देंगे।

सेवा कार्यों के साथ सुंदरनगर ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

वृद्ध आश्रम, अनाथ आश्रम और अस्पतालों में किया फल वितरण, भारत जोड़ो यात्रा के संदेश पर हुई चर्चा

अर्थ प्रकाश/आदर्श यादव

सुंदर नगर (मंडी), 19 जून। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता Rahul Gandhi का जन्मदिवस सुंदरनगर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा सेवा और जनकल्याण के कार्यों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत ठाकुर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्थानीय वृद्ध आश्रम, अनाथ आश्रमों तथा अस्पतालों में फल वितरित कर लोगों की कुशलक्षेम पूछी। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के सार्वजनिक जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा सामाजिक न्याय के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। साथ ही युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने राहुल गांधी की ऐतिहासिक 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश में प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया है। वक्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने गरीब, किसान, मजदूर, दलित, आदिवासी, युवा, छात्र और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सड़क से लेकर संसद तक प्रभावी ढंग से उठाया है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने वाले नेता हैं।

कार्यक्रम में युवा कांग्रेस अध्यक्ष निखिल ठाकुर, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत शर्मा, चमन राही, अरुण आर्य, विनोद सोनी, राम सिंह, रविशंकर शर्मा सहित ब्लॉक कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स को दी भारतीय सेना के वीरता के इतिहास की जानकारी

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। फर्स्ट एचपी (ब्वॉयज) बटालियन सोलन की ओर से चितकारा यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप फर्स्ट ब्वॉयज बटालियन सोलन के सीओ कर्नल राजीव थॉमस की देखरेख में चल रहा है। इसमें प्रदेश के 460 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं। शिविर के पांचवे दिन एनसीसी कैडेट्स को शैक्षणिक सत्र के दौरान चितकारा यूनिवर्सिटी के डीन रिटायर कर्नल रवि कुमार ने भारतीय सेना के वीरता के इतिहास के बारे में जानकारी दी। कर्नल रवि ने स्वतंत्रता के बाद चाहे वो 1962,1965,1971 के युद्ध से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इसके अलावा नालागढ़ अग्निशमन विभाग की ओर से आए अधिकारियों व कर्मचारियों ने एनसीसी कैडेट्स को फायर सेफ्टी के टिप्स दिए। साथ ही उन्हें बताया कि आग लगने की स्थिति में हम किस तरह से जानमाल के नुकसान को कम करने की दिशा में अपनी अहम भूमिका निभा सकें। इसके अलावा कैडेट्स को फायरिंग की व्यवहारिक जानकारी दी। इसमें बहुत से कैडेट्स ऐसे थे, जिन्होंने पहली बार राइफल्स से फायर किया।

नशे के खिलाफ नई मुहिम, डीसी ने दिखाई नशा मुक्त एवं स्वास्थ्य युक्त युवा अभियान को हरी झंडी

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के बीच युवाओं को जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला मुख्यालय ऊना से %नशा मुक्त एवं स्वास्थ्य युक्त युवा अभियान% का शुभारंभ हुआ। हेल्थ केयर फाउंडेशन और सोसाइटी फॉर ह्यूमन अवेयरनेस, मोटिवेशन एंड एक्शन (एसएचएएमए) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान को उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने उपायुक्त परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में %नशा मुक्त एवं स्वास्थ्य युक्त युवा% विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में नशा मुक्त भारत, स्वस्थ भारत और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत किया जाएगा।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर ही नहीं, उसके सपनों, परिवार की उम्मीदों और समाज की ऊर्जा को भी खोखला कर देता है। यदि युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद, कौशल विकास और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ते हैं तो एक स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों व आसपास के लोगों को भी इस सामाजिक बुराई से बचाने के लिए जागरूक करें। कार्यक्रम में हेल्थ केयर फाउंडेशन ने भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा युवाओं को जागरूक, स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बनाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर जिला समन्वयक विशाल ठाकुर, हिमाचल प्रदेश परिवहन प्राधिकरण के सदस्य अशोक ठाकुर, हेल्थ केयर फाउंडेशन के अध्यक्ष देवानंद गौतम, अनिल कुमार, ललिता शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

दिव्यांगता समावेशन एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित

बजौरा(कुल्लू),19 जून (अशेष शर्मा)। सांफिया फाउंडेशन द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बजौरा में दिव्यांगता समावेशन एवं जागरूकता विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को दिव्यांगता के प्रति संवेदनशील बनाना, समावेशी शिक्षा के महत्व को समझाना तथा दिव्यांग बच्चों के अधिकारों एवं उपलब्ध सरकारी सेवाओं की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं कार्यक्रम प्रबंधक बीजू हिमदल ने संस्था की विभिन्न गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि सांफिया फाउंडेशन किस प्रकार दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास के लिए शिक्षा, थैरेपी, परामर्श सेवाएं तथा सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि एक समावेशी समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और सहयोग का वातावरण प्रदान करना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से अपने विद्यालय एवं समुदाय में दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। कार्यशाला के दौरान फिजियोथेरेपिस्ट अनु राणा ने विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं, उनके प्रारंभिक लक्षणों, समय पर पहचान एवं हस्तक्षेप के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यालय एवं समुदाय स्तर पर समावेशी वातावरण विकसित करने के व्यावहारिक उपायों पर भी चर्चा की। विद्यालय की प्रधानाचार्या कविता कपूर ने अपने संबोधन में कहा कि समावेशी शिक्षा केवल एक नीति नहीं बल्कि एक ऐसी सोच है, जो प्रत्येक बच्चे को उसकी क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है।

नौणी विश्वविद्यालय और देव संस्कृति विश्वविद्यालय अपशिष्ट से संपदा आधारित अनुसंधान एवं शिक्षा में सहयोग की संभावनाएं तलाशेंगे

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। सतत नवाचार को बढ़ावा देने तथा मूल्य संवर्धन एवं पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों पर अनुसंधान को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी के एक प्रतिनिधिमंडल ने हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय (डीएसवीवी) का दौरा किया। यह यात्रा अनुसंधान, शिक्षा, प्रौद्योगिकी के व्यवसायीकरण तथा उद्यमिता विकास के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

दोनों संस्थान अपने-अपने क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान रखते हैं। औद्यानिकी, वानिकी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नौणी विवि एक अग्रणी संस्थान है, जबकि डी.एस.वी.वी. पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण, औषधीय रसायन विज्ञान तथा पंचगव्य के चिकित्सीय अनुप्रयोगों पर अपने अग्रणी कार्य के लिए जाना जाता है।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कुलपति डॉ. एच.एस. बवेजा ने किया। प्रतिनिधिमंडल में अनुसंधान निदेशक डॉ. देविना वैद्य, वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सी.एल. ठाकुर, पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल हांडा, पुष्प विज्ञान एवं भू-दृश्य वास्तुकला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एस. दिल्टा, संयुक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. विशाल राणा और सिल्वीकल्चर एवं कृषि वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित वशिष्ठ शामिल थे।

प्रस्तावित सहयोग का उद्देश्य पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के साथ जोड?र गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नवाचार आधारित अनुसंधान तथा औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। विशेष रूप से गो-आधारित बाइ प्रोडक्ट, खासकर गोबर एवं गोमूत्र, के मूल्य संवर्धन तथा उन्नत प्रसंस्करण तकनीकों के विकास और उनकी व्यावसायिक संभावनाओं के दोहन पर बल दिया जाएगा। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने डी.एस.वी.वी. के विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की। टीम ने उन्नत गोपालन केंद्रों तथा गोबर एवं गोमूत्र के उपयोग से संबंधित विशेष प्रसंस्करण इकाइयों का भी दौरा किया। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने उन इकाइयों का निरीक्षण किया जहां इन जैविक संसाधनों का उपयोग कर कपड़े और कागज जैसे पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जो परिपत्र अर्थव्यवस्था तथा अपशिष्ट से संपदा आधारित उद्यमिता के सफल मॉडल प्रस्तुत करते हैं।

18 वर्षों बाद औंसर जाएंगी माता सत्यवती, भगवान पराशर और सत्यवती की प्रेमस्थली पर होगा पावन मिलन

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू,19 जून। देवभूमि हिमाचल की प्राचीन देव परंपराओं में एक महत्वपूर्ण अध्याय 20 जून को देखने को मिलेगा, जब माता सत्यवती 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद औंसर की यात्रा पर जाएंगी। इस अवसर को लेकर श्रद्धालुओं और देवलुओं में विशेष उत्साह का माहौल है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार औंसर को भगवान पराशर ऋषि और माता सत्यवती की प्रेमस्थली माना जाता है। लोक परंपराओं में यह स्थान दोनों के पावन मिलन और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि माता सत्यवती का औंसर आगमन श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। 20 जून को माता सत्यवती अपने भव्य देव रथ और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ औंसर पहुंचेंगी। इस दौरान देव रीति-रिवाजों के अनुसार विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए जाएंगे।

कोरम पूरा नहीं होने से टला नगर पंचायत बंजार अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

बंजार(कुल्लू),19 जून। नगर पंचायत बंजार के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद का चुनाव गुरुवार को नाटकीय घटनाक्रम के बीच स्थगित हो गया। कोरम पूरा नहीं होने के कारण चुनाव अधिकारी को चुनाव प्रक्रिया रद्द करनी पड़ी। अब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 22 जून की नई तिथि निर्धारित की गई है।

सुबह 10 बजे से चुनाव अधिकारी पंकज शर्मा नगर पंचायत बंजार के सभागार में पार्षदों का इंतजार करते रहे, लेकिन दोपहर 12 बजे तक कोई भी पार्षद चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने नहीं पहुंचा।

इसके बाद बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी अपने समर्थकों के साथ सभागार पहुंचे। यहां केवल भाजपा समर्थित दो पार्षदों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई, जबकि कांग्रेस समर्थित पांच पार्षदों ने चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करते हुए इसमें भाग नहीं लिया। कोरम पूरा न होने पर चुनाव अधिकारी पंकज शर्मा ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव को रद्द करने की घोषणा कर दी। उन्होंने बताया कि अब यह चुनाव 22 जून को आयोजित किया जाएगा। नगर पंचायत बंजार में राजनीतिक समीकरण बेहद रोचक बने हुए हैं।

दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : डॉ. धनी राम

अर्थ प्रकाश/संवाददाता

शिमला। स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने आज यहां ब्लाइंड पर्सन्स एसोसिएशन और नेशनल फेडरेशन ऑफ ब्लाइंड्स के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में दिव्यांगजनों के कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 100 प्रतिशत दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1,700 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रतिमाह करने का निर्णय लिया है। इस वृद्धि से प्रदेश के लगभग 7,000 दिव्यांगजन लाभान्वित होंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न विभागों में दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लगभग 311 पद रिक्त हैं, जिनमें से 174 पदों पर भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में है। भर्ती के अंतर्गत शिक्षा विभाग में 41 पद, पशुपालन विभाग में 13 पद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में 4 पद तथा शेष पद अन्य विभागों में शामिल हैं।

डॉ. शांडिल ने कहा कि हिम बस कार्ड के माध्यम से परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा, दृष्टिबाधित कर्मचारियों के लिए कौशल प्रशिक्षण, राज्य में दिव्यांगजनों के लिए स्वतंत्र राज्य आयुक्त की नियुक्ति, सहारा पेंशन योजना से जु? मुद्दों तथा मंडी जिले के सुंदरनगर और शिमला जिले के ढली में संचालित दिव्यांगजनों के विशेष विद्यालयों से संबंधित विषयों पर भी सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने ब्लाइंड पर्सन्स एसोसिएशन और नेशनल फेडरेशन ऑफ ब्लाइंड्स के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण से जु? सभी मुद्दों और चिंताओं के प्रति संवेदनशील है।

नाटक | हिम रंग षष्ठी' ग्रीष्मकालीन नाट्य समारोह का शुभारंभ

'माई री मैं का से कहूं' के सफल मंचन ने दर्शकों को किया भाव-विभोर

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू,19 जून। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रंगमंडल द्वारा आयोजित 'हिम रंग षष्ठी' ग्रीष्मकालीन नाट्य समारोह 2026 का शुभारंभ आज अटल सदन के अंतरंग ऑडिटोरियम में नाटक 'माई री मैं का से कहूँ' के प्रभावशाली मंचन के साथ हुआ। लगभग खचाखच भरे सभागार में प्रस्तुत इस नाटक को दर्शकों से उत्साहपूर्ण, भावनात्मक और सराहनापूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि, अतिरिक्त उपायुक्त अश्वनी कुमार ने पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ किया

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रंगमंडल द्वारा 18 से 27 जून 2026 तक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू, धर्मशाला और शिमला में आयोजित इस विशेष नाट्य यात्रा के अंतर्गत *'माई री मैं का से कहूँ', *'बाबूजी', *'ताजमहल का टेंडर' तथा 'अक्स तमाशा' जैसी चर्चित प्रस्तुतियाँ मंचित की जाएँगी। सभी प्रस्तुतियों में प्रवेश निःशुल्क है।

राजस्थान के प्रख्यात साहित्यकार विजयदान देथा की प्रसिद्ध कहानी 'दुविधा' पर आधारित 'माई री मैं का से कहूँ' स्त्री की इच्छा, संवेदना, स्वायत्तता और सामाजिक मर्यादाओं के बीच चलने वाले द्वंद्व की मार्मिक कथा है। यह नाटक समाज की उस विडम्बना को उजागर करता है जो समानता और प्रगतिशीलता की बात तो करता है, किंतु स्त्री की स्वतंत्र इच्छा को आज भी सीमित दायरों में बाँधकर देखता है। नाटक की कथा एक नवविवाहिता स्त्री के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका पति विवाह के तुरंत बाद व्यापार के सिलसिले में घर से दूर चला जाता है। उसके जाने के बाद एक भूत, जो उस स्त्री से मोहित हो जाता है, पति का रूप धारण कर उसके जीवन में प्रवेश करता है। वास्तविक और अलौकिक के बीच की रेखाएँ धीरे-धीरे धुंधली होने लगती हैं और स्त्री भावनात्मक तथा नैतिक दुविधाओं में उलझ जाती है। कथा के माध्यम से स्त्री की इच्छाओं, उसके अधिकारों, सामाजिक बंधनों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रश्नों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है।

लोककथा, लोकसंगीत और रंगमंचीय सौन्दर्य से समृद्ध यह प्रस्तुति दर्शकों को केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक यथार्थ और मानवीय संबंधों पर गंभीर चिंतन के लिए भी प्रेरित करती है। आज भी स्त्री का व्यक्तित्व पारिवारिक अपेक्षाओं और सामाजिक नियंत्रण के बीच विभाजित रहता है; नाटक इन्हीं प्रश्नों को संवेदनशीलता और कलात्मक प्रभावशीलता के साथ मंच पर प्रस्तुत करता है। 'माई री मैं का से कहूँ' के इस सफल मंचन ने समारोह की प्रभावशाली शुरुआत करते हुए दर्शकों के मन में गहरी संवेदनाएँ और विचार छोड़ दिए तथा आगामी प्रस्तुतियों के प्रति उत्सुकता और उत्साह को और बढ़ा दिया।

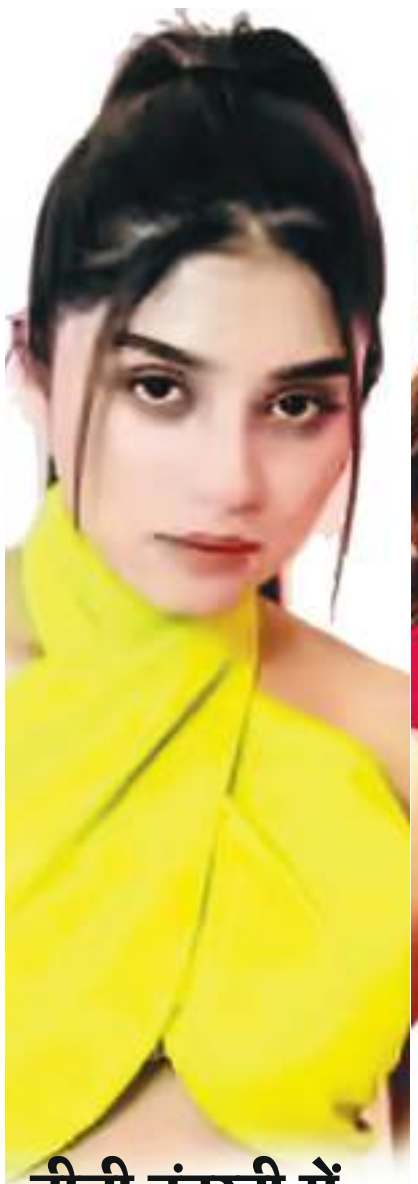

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''

अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है।

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

सीर-सीर सुनकर हैरान हुई नोरा

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में स्नष्टह्ह मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।'

नोरा ने की पूरी जिंदगी मेहनत

इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।'

संगीत कितना ताकतवर है?

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

'सीर सीर' को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि नोरा का गाना 'सीर सीर' कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस ट्रैक को यूट्यूब पर 43 मिलियन से ड्यादा बार देखा जा चुका है।

फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी के लिए राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडिया : ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।'' नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडिया : ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं।

यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं।' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा।' अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है। सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा बनाई गई है और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा प्रस्तुत की गई है। इसका निर्देशन आशीष आर. शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने किया है। 'द पिरामिड स्कीम' 5 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और काफी पसंद की जा रही है।

सच्चा प्यार कभी प्रैक्टिकल नहीं हो सकता

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी और आलिया भट्ट संग फिल्म 'जिगरा' से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले युवा कलाकार वेदांग रैना अब इम्तियाज अली की पीरियड लव स्टोरी 'मैं वापस आऊंगा' में अहम भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वेदांग अपनी हर फिल्म में अदाकारी के साथ-साथ गायिकी का हुनर भी दिखा रहे हैं। इस फिल्म में तो एआर रहमान जैसे दिग्गज कंपोजर के लिए मसकारा जैसे रूहानी गीत को आवाज देना वेदांग सपना सच होने जैसा मानते हैं।

रहमान सर के लिए गाने पर यकीन नहीं हुआ अपनी गायिकी के इस सफर और एआर रहमान के लिए गाने को लेकर वह कहते हैं, 'मुझे पता नहीं ये कैसे हो रहा है, क्योंकि मैंने कभी किसी डायरेक्टर को खुद ये बात नहीं बताई है कि मैं गाना गाता हूं। यह सब बस हो गया। जोया (अख्तर) के साथ भी ये अचानक हुआ था कि मैंने आर्चीज में एक छोटे सा हिस्सा गाया था। फिर वासन बाला सर की भी एक सोच थी तो जिगरा में भी गाने का मौका मिला और अब रहमान सर के लिए गाना तो किसी भी कलाकार के लिए सपना सच होने जैसा है। मुझे ये मौका मिलना बहुत बड़ी बात है, जबकि मैं हिंदुस्तानी क्लासिकल में ट्रेंड सिंगर भी नहीं हूं। हालांकि, मैंने अपनी जिंदगी में स्टेज पर बहुत गाया, बहुत परफॉर्म किया है तो यह अनुभव वहीं से आता है। फिर भी ऐसा मौका मिलने की तो मैं सोच भी नहीं सकता था। मुझे कभी-कभी इम्पोस्टर सिंड्रोम (खुद की प्रतिभा पर शक) होता था और लगता था कि मैं ये मौका डिजर्व नहीं करता।' फिल्म में 1947 से पहले का दौर और मोहब्बत है, ऐसे में उस दौर को जीते हुए क्या वेदांग को कोई ऐसी चीज लगी कि काश वो आज के तेज रफ्तार दौर में भी होती? इस पर उनका कहना है, 'उस वक्त का प्यार करने का तरीका। मतलब अहसास तो अब भी वही है लेकिन अब रिश्ते या प्यार के दायरे थोड़े बदल गए हैं। जैसे अभी हम मेसेज करते हैं, तब चिट्ठियां लिखते थे। तब लोग अनकही बातों में, इशारों में मन के भाव समझते थे, वैसा वाला प्यार अब थोड़ा मिसिंग है तो अगर हम उसे वापस ला सकें तो अच्छा होगा।' क्या द्द्रद्दु पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांग मानते हैं कि अब प्यार प्रैक्टिकल हो चुका है? इस पर वह दो टूक कहते हैं, 'सच्चा प्यार प्रैक्टिकल हो ही नहीं सकता। प्यार एक अहसास है, जो हर दौर में एक सा ही होता है, बस अब उस अहसास के इर्द गिर्द चीजें बदल गई हैं।'

कश्मीर लौटने का मन करता है

मैं वापस आऊंगा की तर्ज पर क्या कोई ऐसी जगह या वक्त हैं जहां वेदांग लौटना चाहेंगे? इस बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए कश्मीर वह जगह है। मैं कश्मीरी हूं, मेरे माता-पिता कश्मीरी हैं और मैं अपनी जिंदगी में कश्मीर काफी देर से गया। मैं 22 या 23 साल का था और वहां जाकर मुझे एक अलग सा नॉस्टैल्जिया महसूस हुआ। जब मैं श्रीनगर गया तो वहां मेरे साथ पापा- मम्मी और मौसी थी। वे ऐसे बता रहे थे कि यहां पर डल झील था। हम जब यहां अपने नाना-नानी के घर आते थे तो यहां खेलते थे। यहां पर चाय की दुकान होती थी और मैं यकीन ही नहीं कर पाया था कि किसी का बचपन डल झील के किनारे बीता होगा। मुझे वो सब परियों की कहानी जैसा लग रहा था। मुझे उस जगह से,एक नॉस्टैल्जिया महसूस हो रहा था, जहां मैं पहले कभी नहीं गया, शायद कोई पहले का कनेक्शन होगा तो वहां जाने का मेरा बहुत मन करता है।'

नर्वस था, पर आलिया ने खुले दिल से अपनाया

वेदांग ने हमसे जिगरा में आलिया भट्ट संग काम करने का अनुभव भी साझा किया। बकौल वेदांग, 'वह मेरी दूसरी फिल्म थी और मैं बहुत नर्वस था कि मैं आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हूं। पहली ही फिल्म के बाद मैं एक बिल्कुल अलग माहौल में था, लेकिन आलिया ने मेरी ओर जितनी गर्मजोशी दिखाई, जितनी खुले दिल से मुझे अपनाया और सहज कराया, वह अहसास मुझे हमेशा रहेगा। उसके लिए मैं उनको हमेशा याद रखूंगा। वह हमारी बहुत ही प्यारी दोस्त बनी। वह हमेशा मेरी शुभचिंतक हैं, जिसके लिए मैं हमेशा उनको याद रखूंगा।'

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित Kapoor Nivas New Kather, Near HRTC Workshop, PO Chamba Ghat Solan HIMACHAL PRADESH से जारी। प्रधान संपादक : महावीर जैन, प्रबंध संपादक : अक्षित जैन आर.एन.आई. पंजीक्रम : HPHIN/26/A2551 फोन : 0172-2638515, 9815033624 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : हरीश चंद्र जैन, एचसीएस (सेवानिवृत्त)